दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 120/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | आर.एन.आई 22296/71 | डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 05 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

एमपी के सीएम को लेकर दिल्ली में मंथन

मैं लोकसभा की 29 सीटें जिता कर दूंगा, मुख्यमंत्री की रेस में नहीं, कमलनाथ को हराने छिंदवाड़ा जा रहा हूं: शिवराज

नई दिल्ली / भोपाल। मध्यप्रदेश में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? पार्टी में इसी को लेकर विचार मंथन का दौर जारी है। भोपाल से लेकर दिल्ली तक हलचल तेज है। भाजपा के सभी केंद्रीय पदाधिकारी और मंत्री दिल्ली में हैं। इधर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में बड़ा बयान दिया है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद सीएम बनने को लेकर पूछे गए सवाल पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री का दावेदार न तो पहले कभी रहा और न आज हूं। एक कार्यकर्ता के नाते भाजपा मुझे जो भी काम देगी, उस काम को समर्पित भाव से अपनी क्षमता के अनुसार करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं मप्र में भाजपा को 29 सीटें जिता कर दूंगा और कमलनाथ को हराने कल ही छिंदवाड़ा जा रहा हूं। आईएनडीआइए गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि विपक्ष पीएम नरेन्द्र मोदी का मुकाबला नहीं कर सकता, वे फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। दक्षिण में भाजपा लगातार मजबूत हो रही है।

संसद का शीतकालीन सत्र भी चल रहा है। मंगलवार 5 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सांसदों के साथ बैठक करेंगे। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि इस बैठक में नई सरकार के गठन और सीएम चेहरे पर भी चर्चा हो सकती है। प्रदेश भाजपाध्यक्ष वीडी शर्मा दिल्ली में हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। श्री शर्मा ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

16 दिसंबर पर से पहले होगी सीएम पद की शपथ

मध्य प्रदेश 15वीं विधानसभा का कार्यकाल दिसंबर में खत्म हो रहा है। उधर 16 दिसंबर से मलमास शुरू हो रहे हैं, जिसमें सभी मांगलिक कार्य रूक जाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश में 16वीं विधानसभा के लिए सीएम पद के लिए चेहरा तय जल्द ही शपथ ग्रहण हो सकता है।

गरीब कल्याण योजना का आदर्श मॉडल मोदी जी की गारंटी: प्रहलाद सिंह पटेल

केन्द्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने गरीब कल्याण योजना के माध्यम से श्रमिक, महिला

एवं किसानों के सशक्तीकरण का जो मॉडल पेश किया है, वह देश से गरीबी दूर करने का एक आदर्श मॉडल है। देश की राजनैतिक चर्चा में गरीब की चर्चा होना जरूरी है।

देश में नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट बनने के बाद भी देश में गरीब आदमी के पास राशन नहीं पहुंच पाया। पीडीएस सिस्टम में इस बात की गारंटी दी गई की वहां से आदमी को सस्ता अनाज मिलेगा। फिर भी पीडीएस पर हमेशा से उंगलियां उठती रही हैं, जब ये योजना शुरू हुई थी तो सिर्फ चार राज्यों में थी। लेकिन अब मोदी जी ने यह योजनाएं 36 राज्यों में लागू की हैं। इसमें भी 2 प्रकार की योजनाएं है- एक ओडब्ल्यूएस और दूसरी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजाना। जब हम एक योजना में एक परिवार को युनिट मानते हैं तो उसे एक मुस्त में 35 किलो अनाज देते हैं। इस योजना में प्रत्येक परिवार के सदस्य को 5 किलो राशन दिया जाता है।

वन नेशन वन कार्ड ने गरीब मजदूरों को देश के किसी भी हिस्से में अपने खाद्यान्न की सुरक्षा की गारंटी दी है, वहीं डिजिटल कार्ड ने परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग रहने की परिस्थिति में खाद्य गारंटी भी दी है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने फिर से 5 साल के लिए गरीब कल्याण योजनाओं को बढ़ाया है अब इसमें मुफ्त में अनाज लगभग 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिलेगा, इस योजना में 5 साल में करीब 11 करोड़ 80 लाख रुपए खर्च होगा। वही प्रतिपक्ष में बैठे लोगों को इस पर चर्चा करनी है तो वो गरीब कल्याण योजनाओं पर चर्चा करें ताकि योजनाओं का सही मूल्याकंन हो सके।

मा. पीएम मोदी जी ने मजदूरों के पीएफ का युनिक आइडिंटिटी नंबर भी देकर मेहनतकश मजदूरों के पैसे की सुरक्षा की गारंटी दी है। जब मजदूरों के पास भोजन की गारंटी होगी तब वो अपने मेहनत के पैसों से अपने परिवार और बच्चों की जिंदगी बेहतर करेगा। फिर चाहे वह शिक्षा के लिए हो या अन्य कार्य। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आयुष्मान कार्ड योजना ने मजदूरों के स्वास्थ्य की गारंटी दी है तो वहीं पीएफ के नम्बर ने दुर्घटना में क्षतिपूर्ति की भी गारंटी दी है। ये पीएम मोदी जी की गरीब कल्याण योजना का मॉडल है।

उन्होंने आगे कहा कि माननीय मोदी जी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से परम्परागत रूप से करोड़ों विश्वकर्मा जो अपने हाथों, औजारों और उपकरणों से कड़ी मेहनत करके कुछ न कुछ बनाते हैं, और देश के निर्माता हैं, उनके लिए प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी, ऋण और बाजार समर्थन के प्रावधान किए गए हैं।

राजस्थान के सीएम को लेकर दावेदारी शुरू, वसुंधरा के घर विधायकों की बैठक

जयपुर। राजस्थान में बहुमत मिलने के साथ ही सीएम पद की दौड़ शुरू हो गई है। राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसे लेकर दिल्ली में मंथन जारी है। जयपुर में सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से 30 से ज्यादा विधायकों ने मुलाकात की। इसे वसुंधरा का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है।

वसुंधरा के समर्थक और 8 बार के विधायक कालीचरण सराफ ने दावा किया है कि उनसे 70 विधायकों ने मुलाकात की है। वे जहां गईं, वहां भाजपा जीती है। वसुंधरा सर्वमान्य नेता हैं। वसुंधरा के आवास पर मंगलवार को भी विधायकों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। सुबह अरुण चौधरी, जोगाराम पटेल, संजीव बेनीवाल, दर्शन सिंह, अजय सिंह किलक और जसवंत यादव मिलने

पहुंचे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के आवास पर आज उनसे मुलाकात करने शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी के अलावा गोपीचंद मीणा, गोपाल शर्मा और भजन लाल शर्मा पहुंचे। जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा- केंद्रीय और सीपी जोशी के नेतृत्व में प्रदेश में सरकार बनी है। सीएम कौन होगा सवाल पर बोले- संगठन सर्वोपरि है।

गोपीचंद सोमवार को वसुंधरा से भी मिलने पहुंचे थे। उन्होंने कहा था कि सीएम का चेहरा केंद्रीय नेतृत्व को तय करना है, लेकिन हमारा विश्वास वसुंधरा राजे में है। जोशी के आवास पर प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह भी पहुंचे। सीएम पद को लेकर उन्होंने कहा- पालियामेंट्री बोर्ड जो फैसला लेगा, वो ही सभी को मान्य होगा।

वसुंधरा के घर बैठकों का दौर जारी

वसुंधरा राजे के निवास पर विधायकों के पहुंचने का दौर जारी है। दावा किया जा रहा है कि वसुंधरा को 70 विधायकों का समर्थन हासिल है। अब देखना यही है कि पार्टी आलाकमान मुख्यमंत्री पद को लेकर क्या फैसला करता है।

दिल्ली में मध्य प्रदेश के सीएम को लेकर माहौल गरमाया हुआ है वहीं भोपाल में सीएम शिवराज सिंह चौहान रिलेक्स मूड में दिखाई दे रहे है। सीएम शिवराज कल रात पत्नी साधना और दोनों बेटे कार्तिकेय और कुणाल के साथ एमपी नगर स्थित मनोहर डेयरी पहुंचे। यहां पहले सीएम ने रबड़ी जलेबी का स्वाद लिया. इसके बाद रेस्टोरेंट पहुंचकर परिवार संग डिनर किया।

मिजोरम में 8 दिसंबर को सीएम का शपथ ग्रहण

आईजोल। मिजोरम में 40 विधानसभा सीटों का रिजल्ट 4 दिसंबर को घोषित हुआ। इस बार नई पार्टी जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी। सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस के खाते में एक सीट आई है।

फ्रंट की हार के बाद सीएम जोरमथंगा ने रिजल्ट वाले दिन ही गर्वनर हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात कर इस्तीफा दे दिया। मिजोरम में नए ष्ट्रूका शपथ ग्रहण समारोह 8 दिसंबर को होगा। जेडपीएम नेता और मुख्यमंत्री पद के दावेदार लालदुहोमा के घर आज रात 8 बजे विधायक दल की बैठक होगी। लालदुहोमा इंदिरा गांधी के सिक्योरिटी इंचार्ज और कांग्रेस के सांसद रह चुके हैं।

लोकसभा में पेश होगी महुआ पर एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट , पहले दिन हंगामे के चलते चर्चा नहीं हुई

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन-लोकसभा में पेश होगी महुआ पर एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट; पहले दिन हंगामे के चलते चर्चा नहीं हुई।

नई दिल्ली संसद के शीतकालीन सत्र का मंगलवार (5 दिसंबर) को दूसरा दिन है। दूसरे दिन महुआ मोइत्रा पर एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश की जाएगी। इस मुद्दे पर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ, लेकिन चर्चा नहीं हो सकी। हालांकि, सेंट्रल यूनिवर्सिटीज और एडवोकेट अमेंडमेंट बिल जरूर टेबल किए गए। उधर, इंडिया ब्लॉक पार्टियों के नेता राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के चेंबर में मंगलवार सुबह मीटिंग हुई।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनेंगे रेवंत रेड्डी, कल हो सकता है शपथ ग्रहण समारोह

नई दिल्ली। तेलंगाना कांग्रेस के फायरब्रांड नेता रेवंत रेड्डी तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रेवंत रेड्डी, जिन्होंने राज्य के लिए राजनीतिक लड़ाई का नेतृत्व किया और केसीआर के खिलाफ सीधे लड़ाई लड़ी, कल या परसों शपथ ले सकते हैं। साथ ही, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उत्तम कुमार रेड्डी और भट्टी विक्रमार्क को उपमुख्यमंत्री पद दिया जा सकता है। कांग्रेस आलाकमान ने तेलंगाना में रोटेशनल सीएम जैसे किसी भी फॉर्मूले पर बात करने से इनकार कर दिया है।

तेलंगाना में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना दक्षिण का दूसरा राज्य है, जहां कांग्रेस की खुद की सरकार बनेगी। तेलंगाना में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को शुरुआत से ही मुख्यमंत्री पद की रेस में सबसे आगे माना जा रहा था। रेवंत रेड्डी तेलंगाना विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कांग्रेस का चेहरा बने रहे। वे प्रचार के दौरान हमेशा राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ भी नजर आए। तेलंगाना में जीत का सबसे ज्यादा श्रेय भी रेवंत रेड्डी को ही मिल रहा है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम सबसे आगे रहा।

कमलनाथ बोले-एग्जिट पोल माहौल बनाने के लिए था

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ आज हार की समीक्षा कर रहे हैं, इसके बाद दिल्ली जाकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफे की पेशकश कर सकते हैं।

प्रदेश कार्यालय में सभी कैंडिडेट्स की बैठक ले रहे हैं। वे सभी से विधानसभा चुनाव में जीत-हार पर चर्चा कर रहे हैं। कमलनाथ ने कहा, मुझे कुछ विधायकों ने बताया कि उन्हें अपने गांव में 50 वोट मिले। यह

कैसे हो सकता है। जिसको पहले से परिणाम पता था, उसने एग्जिट पोल बनवाया होगा। एग्जिट पोल तो माहौल बनाने के लिए था। उन्होंने कहा, अभी सभी से चर्चा कर रहे हैं। हारे और जीते सभी प्रत्याशियों को बुलाया है। कांग्रेस नेताओं के ईवीएम हैक होने की बात पर बोले, सभी की बात सुन लूं, फिर किसी फैसले पर आना सही होगा। आप भी जानते हैं कि क्या माहौल था, मुझसे नहीं, पब्लिक से पूछिए।

साइक्लोन मिचौंग आंध्र प्रदेश तट से टकराया: अगले 3 घंटे तक असर रहेगा, 90 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रहीं; चेन्नई शहर डूबा

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग आंध्र प्रदेश पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, ठीक दोपहर 1 बजे यह आंध्र प्रदेश के बापटला में नेल्लोर-मछलीपट्टनम के बीच लैंडफॉल कर गया। 90 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। तूफान का असर अगले 3 घंटे तक रहेगा।

साइक्लोन को लेकर आंध्र प्रदेश में हाई अलर्ट है। राज्य सरकार ने तिरुपति, नेल्लोर, प्रकाशम, बापटला, कृष्णा, पश्चिम गोदावरी, कोनसीमा और काकीनाड़ा जिले में रेड अलर्ट जारी किया है। 9 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित इलाकों में भेजा गया है। इन 8 जिलों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 5-5 टीमें तैनात हैं। कोस्ट गार्ड, आर्मी और नेवी के जहाज और एयरक्राफ्ट स्टैंडबाय पर हैं।

तमिलनाडु में मंगलवार को बारिश में कमी आई। हालांकि चेन्नई शहर बारिश की वजह से पूरी तरह डूब गया है। रविवार से अब तक एक बच्चे समेत 9 लोगों की मौत हो चुकी है। 16 घंटे से बंद चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हो गया है। 4 नवंबर को रनवे पर पानी भरने की वजह से करीब 70 फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ी थीं। 30 फ्लाइट्स बेंगलुरु डायवर्ट किए गए थे।

आंध्र प्रदेश: आईएमडी ने आंध्र प्रदेश में 6 नवंबर तक आंधी के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। तूफान के कारण 5 दिसंबर को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। तिरूपति एयरपोर्ट के डायरेक्टर केएम बसवराजू ने बताया कि खराब मौसम के कारण सोमवार को सभी उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। इनमें 14 शेड्यूल्ड निर्धारित और एक नॉन-शेड्यूल्ड फ्लाइट शामिल थीं।

तमिलनाडु: मिचौंग तूफान का असर तमिलनाडु पर सबसे ज्यादा रहा। 3 दिसंबर सुबह से अब तक चेन्नई में करीब 400-500 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। तमिलनाडु के वाटर सप्लाई मिनिस्टर के मुताबिक, शहर में 70-80 साल में पहली बार ऐसी बारिश हुई है। राज्य में ह्ष्ठक्रस्न की 7 टीमें तैनात की गई हैं। इसके अलावा कॉस्टल रीजन में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

ओडिशा: ओडिशा के कई जिलों में हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने 6 दिसंबर तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मलकानगिरी, कोरापुट, रायगड़ा, गजपति और गंजाम जिलों में 4 और 5 दिसंबर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 2.75 से 4.55 इंच बारिश हो सकती है।

पुडुचेरी-तेलंगाना: तूफान को देखते हुए पुडुचेरी सरकार ने भी अलर्ट जारी किया है। पुडुचेरी के समुद्री इलाकों के आसपास धारा 144 लागू कर दी गई है। 3 दिसंबर की शाम 7 बजे से 5 दिसंबर की शाम 6 बजे तक लोगों को तटीय इलाकों में नहीं जाने का निर्देश दिया गया है। तेलंगाना प्रशासन ने भी तूफान को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।

झारखंड-छत्तीसगढ़: कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों और झारखंड में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। विदर्भ, तेलंगाना, कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और केरल में 1 या 2 स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

कोलार सिक्स लेन का निरीक्षण करने पहुंचे रामेश्वर शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विकास और हिंदुत्व के साथ चुनावी मैदान में उतरे विधायक रामेश्वर शर्मा ने रिकॉर्ड वोट लगभग एक लाख वोटो से जीतने की अगली सुबह ही तमाम प्रशासनिक अमले के साथ कोलार सिक्स लेन का निरीक्षण करने निकल पड़े। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जनता ने जितनी बड़ी जीत दी है उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी के साथ काम करना है। जनता का मत रूपी आशीर्वाद मेरे ऊपर एक ऋण है इस ऋण को चुका तो नहीं सकता पर सेवा के संकल्प को पूरा करने में कोई कसर नहीं रहने दूंगा।

जितनी बड़ी जीत उतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ विधायक शर्मा फिर मैदान में

यह निर्देश दिए: विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण के दौरान यह निर्देश दिये। सर्वधर्म पुल से कोलार तिराहे के बीच हिस्से के निर्माण में तेज़ी स्ट्रीट लाइट के काम में तेज़ी सिक्स लेन की सभी एप्रोच रोड का निर्माण कम से कम 50 मीटर तक का कार्य सिक्स लेन के निर्माण के साथ साथ करें। ड्रेनेज सिस्टम एवं नाला नाली के निर्माण के **समन्वय के साथ काम करें जनवरी तक का लक्ष्य:** विधायक रामेश्वर शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिये की सभी विभाग समन्वय के साथ जनवरी के लक्ष्य के साथ तेज़ी से काम करें। ज्ञात हो कि गोल जोड़ से डी मार्ट तक 8 किलोमीटर तक सिक्स लेन का कार्य पूर्ण हो चुका है। अब कोलार तिराहे से भी कार्य में तेज़ी लायी जाएगी।

भेल ट्रेड यूनियन सयुंक्त मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल शिफ्ट परिवर्तन को लेकर जीएम से मिला

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भेल ट्रेड यूनियन सयुंक्त मोर्चा बीएचईएल का एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा जीएम एचआर बी.के सिंह एवं मनीष अग्रवाल के माध्यम से शिफ्ट परिवर्तन के संबंध में बीएचईएल के निदेशक मानव संसाधन श्री कृष्ण कुमार ठाकुर जी को ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल में यूनियन की ओर से हेमंत सिंह एवं एस.के लोधी यूनियन की ओर से रामनारायण गिरी एवं विशाल वाणी यूनियन की ओर से सादिक खान जी एवं कौशल वामने सम्मिलित हुए। भेल सयुंक्त मोर्चे द्वारा कहा गया कि भेल भोपाल में मौजूदा शिफ्ट के समय में परिवर्तन की कोई आवश्यकता नहीं है,यदि प्रबंधन शिफ्ट के समय में मौजूदा प्रस्तावित परिवर्तन करना आवश्यक समझता है तो कारखाने में इन्सेन्टिव स्कीम के साथ शिफ्ट के समय में प्रस्तावित परिवर्तन कर सकता है।परंतु बिना इन्सेन्टिव स्कीम नाईट अलॉउन्स के शिफ्ट के समय में प्रस्तावित परिवर्तन पर भेल ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा सहमत नहीं है। सयुंक्त मोर्चा जल्द से जल्द बीएचईएल भोपाल के कर्मचारियों के बंद किये गये इंसेंटिव एंसिलरी 3 एवं नाईट अलॉन्स को चालू करने की मांग करता है।

जीत पर कृष्णा गौर एवं सबनानी को दी बधाई

भोपाल। विधायक कृष्णा गौर एवं भगवान दास सबनानी को बालिस्ता रावत तथा श्री प्रकाश पटेल ने गुलदस्ता भेंटकर दी बधाई । भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा से 106668 मतों से विजई होकर पुनः विधायक बनने पर एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री भगवान दास सबनानी ने दक्षिण पश्चिम विधानसभा से 16324 मतों से विजई होकर विधायक बनने पर समाजसेवी श्री प्रकाश पटेल एवं भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी श्री बालिस्ता रावत ने गुलदस्ता भेंटकर बधाई, शुभकामनाएं दी। कृष्णा गौर एवं भगवान दास सबनानी ने मिठाई खिलाकर कार्यकर्ताओं तथा मतदाताओं का जताया आभार ।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में भारतीय नौसेना दिवस पर विशेष कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की नेशनल कैडेट कोर यूनिट द्वारा भारतीय नौसेना दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को भारतीय नौसेना के अटूट समर्पण और निस्वार्थ सेवा का सम्मान करने का संदेश देना था। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी, ज्योति सिंह, केयरटेकर ,एनसीसी सहित समस्त प्राध्यापिकाएं और एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि भारतीय नौसेना का इतिहास गौरवशाली रहा है। हम सभी को भारतीय नौसेना, उसके प्रयासों एवं उपलब्धियों की जानकारी होना आवश्यक है। रक्षा के क्षेत्र में करियर देश के सबसे प्रतिष्ठित एवं सम्मानित करियर में से एक माना जाता है। आप भी उत्साह, साहस और चुनौतियों से भरे इस क्षेत्र में अपना भविष्य निर्माण कर राष्ट्रहित में अपना योगदान दे सकते है। इस अवसर पर कैडेट शिवानी पटेल ने भारतीय नौसेना पर सविस्तार प्रभावी रूप से अपने विचार व्यक्त किया।

सरकारी स्कूलों में चौथी से आठवीं कक्षा की छमाही परीक्षाएं 20 दिसंबर से

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सरकारी स्कूलों में चौथी से आठवीं कक्षा की छमाही परीक्षाएं 20 दिसंबर से आयोजित कराई जाएंगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रदेश के शासकीय स्कूलों की चौथी से आठवीं कक्षा की छमाही परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। परीक्षाएं 28 दिसंबर तक चलेंगी।बता दें कि परीक्षाएं छह नवंबर से आयोजित होने वाली थीं, लेकिन विधानसभा चुनाव के कारण स्थगित कर दी गई थीं। चौथी व पांचवीं कक्षा की परीक्षा का समय सुबह 10 से दोपहर 12.30 बजे तक और छठीं, सातवीं व आठवीं कक्षा की परीक्षाओं का समय दोपहर दो से 4.30 बजे तक होगा।

इस बार तीसरी से आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लर्निंग आउटकम पर आधारित होंगे। ऐसे में विद्यार्थी कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नों को रटकर परीक्षा पास नहीं कर पाएंगे। इसके लिए उन्हें पूरे पाठ्यक्रम बारीकी से पढ़ना होगा। इनकी वार्षिक परीक्षा मार्च के प्रथम सप्ताह में होने की संभावना है। वार्षिक परीक्षा में 60 अंक का प्रश्नपत्र और 40 अंक का प्रोजेक्ट वर्क होगा। 60 अंक के प्रश्नपत्र में बहुविकल्पीय प्रश्न, रिक्त स्थान, अति लघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय व दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के बदले तार्किक प्रश्न अधिक शामिल होंगे राज्य शिक्षा केंद्र की वेबसाइट पर वार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्रों का ब्लू प्रिंट अपलोड किया जाएगा। विद्यार्थी ब्लू प्रिंट को डाउनलोड कर परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे।

तीसरी से आठवीं तक के प्रश्नपत्रों का प्रारूप: प्रत्येक विषय के प्रश्नपत्र का कुल अंक-60 बहु विकल्पीय-पांच प्रश्न (प्रत्येक एक अंक) रिक्त स्थान की पूर्ति-पांच प्रश्न (प्रत्येक एक अंक) अति लघुउत्तरीय -छह प्रश्न (प्रत्येक दो अंक) लघु उत्तरीय -छह प्रश्न (प्रत्येक तीन अंक) दीर्घ उत्तरीय -चार प्रश्न (प्रत्येक पांच अंक)

भोजपाल महोत्सव मेले में प्लेबैक सिंगर माही ठाकुर की प्रस्तुति पर झूम उठे श्रोता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में भारी भीड़ पहुंच रही है। रविवार को 25 से 30 हजार लोग मेला देखने पहुंचे। मेला शुरू होने के साथ ही बारिश का दौर भी शुरू हो गया। लगातार पांच दिनों तक हुई बारिश के बाद भी बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित मेला देखने पहुंचे। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि बड़ी संख्या में शहरवासी मेला देखने आ रहे हैं। 27 नवम्बर से शुरू हुए मेले को पहले प्रकृति का अब शहरवासियों का आशीर्वाद मिल रहा है। मेला शुरू होने के बाद पहले रविवार को मेले में 25 से 30 हजार लोग पहुंचे। सभी पार्किंग फुल रहीं, लोगों को पार्किंग के बाहर अपने वाहन पार्क करने पड़े।

450 से ज्यादा स्टाल लगाए: महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि मेल में 450 से ज्यादा स्टाल लगाए गए हैं। इन स्टालों में विभिन्न प्रकार की सामग्री उपलब्ध है। राम ने बताया कि शहरवासियों को एक ही परिसर में सभी तरह की सामग्री उपलब्ध है। यहां घरेलू सामनों के लिए विभिन्न दुकानों के साथ ही सेल लगाए गए हैं। साथ ही खान-पान के स्टालों पर प्रदेश के विभिन्न अंचलों के साथ ही अलग-अलग राज्यों के व्यंजन चखने को मिल रहे हैं। भोजपाल महोत्सव मेला के सांस्कृतिक मंच पर रविवार को प्लेबैक सिंगर माही ठाकुर की प्रस्तुति ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। ठाकुर ने सदाबहार मेलोडी गीतों के साथ बॉलीवुड डांसिंग नंबर की प्रस्तुति दी।

सिक्योरिटी गार्ड के साथ मेला समिति संभाल रही है व्यवस्था: मेले में आने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड लगाए गए हैं। पूरा मेला परिसर सीसीटीवी कैमरे से लैस है। पुलिस चौकी, अस्पताल सहित अन्य सुविधाएं मौजूद हैं। दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था है। साथ ही मेला समिति द्वारा व्यवस्था बनाने के साथ ही चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है। समिति के उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, सुनील शाह, महेंद्र नामदेव, मो. जाहिद खान, दीपक बैरागी, देंवेंद्र चौकसे, शैलेंद्र सिंह जाट, मो. रेहान, मंत्री चंदन वर्मा, विनय सिंह, अखिलेश नागर, केश कुमार शाह, आफताब सिद्धकी, मधु भवनानी, दीपक शर्मा, गोपाल शर्मा, सहमंत्री सुनील वैष्णव सहित मेला समिति समिति से जुड़े अन्य लोग अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

भोपाल जिले के सात विधानसभा क्षेत्र में 82 प्रत्याशियों की जमानत जब्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिले की सात विधानसभा क्षेत्र में इस बार कुल 96 प्रत्याशी मैदान में थे।जब रविवार को मतगणना के बाद परिणाम आए तो इनमें से 82 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई है। जबकि 58 ऐसा प्रत्याशी हैं जो नोटा से भी कम मत लेकर आए हैं। इस तरह सभी सात क्षेत्रों में भाजपा और कांग्रेस में सीधा मुकाबला रहा। वहीं ज्यादातर निर्दलीय 100 से अधिक मत भी नहीं ला सके हैं। राजधानी की सबसे चर्चित विधानसभा क्षेत्र उत्तर रहा।यहां से पूर्व विधायक आरिफ अकील ने अपने बेटे आतिफ अकील को कांग्रेस के टिकट पर चुनाव ल?वाया। इससे उनके भाई आमिर अकील बागी होकर मैदान में उतर गए। आमिर ने निर्दलीय चुनाव ल?ा। हालांकि उन्हें 1837 मत ही मिले। नजीतों में आतिफ पहले, आलोक दूसरे और आमिर तीसरे नंबर पर रहे। इसी क्षेत्र से कांग्रेस के नेता रहे नासिर इस्लाम को सिर्फ 550 वोट ही मिले। आम आदमी पार्टी के मोहम्मद सऊद को 735 मत ही मिल सके।

इस बार चुनावी मैदान में 82 प्रत्याशियों की जमानत जब्त की गई है। सामान्य प्रत्याशियों से 10 हजार और अजा वर्ग के प्रत्याशियों से पांच हजार रुपये की राशि जमा कराई थी।यह राशि बचाने के लिए उन्हें तय संख्या में मत लाने थे, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए।जमानत बचाने के लिए छठें हिस्से यानी 16.66 मत लाना थे। इतने मत सिर्फ भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी ही ला सके हैं। प्रत्याशियों को बैरसिया में 32 हजार, उत्तर में 28 हजार, नरेला में 38 हजार, दक्षिण-पश्चिम में 23 हजार, मध्य में 25 हजार, गोविंदपुरा में 41 हजार और हुजूर में 43 हजार के लगभग मत लाने थे। नरेला से भाजपा के विश्वास सारंग ने जीत हासिल की। उन्हें 1 लाख 24 हजार 552 मत मिले, जबकि 99 हजार 983 वोट लाकर कांग्रेस के मनोज शुक्ला दूसरे नंबर पर रहे। यहां तीसरे नंबर पर बसपा के मुकेश गौर रहे, जिन्हें 1093 मत मिले हैं। इस क्षेत्र पर नोटा को सबसे कम 78 मत मिले। पूर्व पार्षद मो. राशिद बाबू मस्तान सिर्फ 181 मत ही ला सके। आम आदमी पार्टी की रईसा बेगम मलिक को 660 मत मिले।

आज महापौर मालती राय ने आचार संहिता खत्म होते ही जनहित में पहला काम लिंक रोड नंबर 1 शिवाजी चौराहे पर एक्सीडेंट जोन डिवाइडर का नगर निगम एवं ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।

कर्मचारियों का बरकरार रहेगा सम्मान समय सीमा में पूरी होगी मांग

प्रचंड जीत पाने वाले विधायक रामेश्वर शर्मा कृष्णा गौर और सारंग से मिले कर्मचा

शिखर वार्ष्णेय,भोपाल।

भोपाल से भाजपा के भारी मतों से विजेता विधायकों से कर्मचारी संगठन सोमवार की सुबह मुलाकात करने पहुंचे। जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समिति के अध्यक्ष उदित भदौरिया संरक्षक अरुण द्विवेदी ने सबसे पहले हुजूर से विधायक चुने गए पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा से मुलाकात की।

पुष्प गुच्छ प्रदान कर उन्हें बहुत-बहुत बधाइयां दी गई। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांग भी रखी। इसके बाद कर्मचारी चिकित्सा शिक्षा मंत्री और नरेला से भारी बहुमत पाकर विजेता बने विश्वास सारंग के आवास पर पहुंचे। इधर भी जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समिति की ओर से उन्हें बधाई दी गई। मौके पर इन दोनों मंत्रियों ने कहा कि कर्मचारियों का सम्मान हमेशा बरकरार रहेगा। उनकी जो भी मांगे हैं। उन्हें सभा सीमा में सरकार से पूरा कराया जाएगा।

प्रमोद तिवारी ने दी कृष्णा गौर को बधाइयां

गोविंदपुर से दूसरी बार भारी भरकम मतों से विजेता बनी क गौर को भी पुरानी पेंशन बहाली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद ति बधाई देने पहुंचे। इस दौरान प्रमोद तिवारी ने कृष्णा गौर से क किया कि कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली के सरकार प करें। मौके पर कृष्णा गौर ने प्रमोद तिवारी को आश्वस्त किय सरकार गठित होते ही कर्मचारियों की यह मांग भी प्रमुखता के रखी जाएगी। उन्होंने भरोसा दिया कि कर्मचारियों के सम्मा कोई कसर बकाया नहीं रखी जाएगी।

कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष तिवारी ने सेवानिवृत्ति के बाद अपना समस्त प्रभार भदौरिया को सौंपा

भोपाल। मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद तिवारी ने सेवानिवृत्ति के बाद अपना समस्त प्रभार जागरूकअधिकारी कर्मचारी कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष उदित भदौरिया को सौंप दिया है। उदित भदौरिया तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष होंगे एवं कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष एलएस वर्मा एवम सुनील पाराशर होंगे, जैसा कि सभी को ज्ञात है कि प्रमोद तिवारी शासन के 5 सदस्यीय समिति में से 3 सदस्यों के हस्ताक्षरित निर्णय उपरांत प्रदेश अध्यक्ष चुने गए थे और वर्तमान में उनकी याचिका पर शासन द्वारा क्या कार्यवाही की गई इसकी सूचना शासन द्वारा आज दिनाक तक उनको नही दी गई जिसके चलते वही आज दिनाक तक संघ के प्रदेश अध्यक्ष है और वर्तमान में सेवानिवृत्त होने पर अपना समस्त प्रभार उदित भदौरिया को सौप दिया है। प्रदेश के समस्त जिलों में इसकी जानकारी दे दी गई है एवं समस्त जिला अध्यक्षों को सूचित कर दिया गया है की उदित भदौरिया की अध्यक्षता में प्रदेश में तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ का संचालन होगा एवं प्रमोद तिवारी इस संघ के आजीवन संरक्षक रहेंगे एवम संघ का संचालन उदित भदौरिया एवम प्रमोद तिवारी सामूहिक रूप से करेंगे साथ ही उदित भदौरिया की अनुपस्थिति में कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष एल एस वर्मा एवं सुनील पाराशर, प्रमोद तिवारी की आपसी सहमति से कर्मचारी हितैषी निर्णय ले सकेंगे।

भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले चलाएगी हर बूथ पर मोदी अभियान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए हर बूथ पर मोदी अभियान चलाने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। अब हमारा संकल्प है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनता ने प्रचंड बहुमत से आशीर्वाद दिया है। अमित शाह जी ने हमें 51 प्रतिशत वोट शेयर का टास्क दिया था। हम 49 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहे हैं। अब लोकसभा चुनावों में टास्क को पूरा करने के लिए काम किया जाएगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। श्री शर्मा ने कहा कि संकल्प इस अभियान के साथ भारतीय जनता पार्टी की शुरुआत कार्यकर्ताओं ने संभाल ली है।

हारने वाले बूथों की होगी समीक्षा

शर्मा ने कहा कि हम समीक्षा करने के बाद जिन बूथों पर भारतीय जनता पार्टी चुनाव हारी है, उन बूथों पर हम कैसे चुनाव जीतेंगे और जिन बूथों पर हम कम मतों से जीते हैं उनमें 10 प्रतिशत वोट शेयर कैसे ब?ेगा, इस पर काम किया जाएगा। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अमित शाह जी की कुशल रणनीति का आशीर्वाद के साथ संपूर्ण भारतीय जनता पार्टी का मध्य प्रदेश का हमारा नेतृत्व हम सब मिलकर के टीम स्पीड के साथ 29 की 29 लोकसभा सीटें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की झोली में डालने का प्रयास करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हम सब मेहनत परिश्रम से सभी बूथों को जीतेंगे। प्रदेश के 64 हजार 523 बूथ पर मोदी अभियान चलेगा और इसकी शुरुआत कर दी गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में गरीब कल्याण की योजनाएं चलाई गईं जिन्होंने हर गरीब का जीवन बदल दिया। डबल इंजन की सरकार ने जो विकास और गरीब कल्याण का काम किया उस विकास और गरीब कल्याण की गति को सुचारू बनाए रखने और विकसित मध्य प्रदेश को स्वर्णिम मध्य प्रदेश बनाने के हमारे संकल्प को पूरा करने के लिए जनता ने हमें आशीर्वाद दिया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार विकास और गरीब कल्याण का काम करती आई है और आगे भी करती रहेगी।

कार्यकर्ताओं ने आदर्श कार्यकर्ता के तौर पर काम किया

विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने आदर्श कार्यकर्ता के तौर पर अपनी भूमिका निभाकर शानदार काम किया है। पन्ना प्रमुख से लेकर के पन्ना समिति ,बूथ समिति लेकर करके मंडल के कार्यकर्ता और जिले से लेकर प्रांत की टीम मिलकर एक साथ जु?कर काम किया है। सभी जीते प्रत्याशियों को शुभकामनाएं, लेकिन जो चुनाव किसी कारणवश बहुत कम अंतर से हार गए हैं पार्टी उनके साथ ख?ी है। श्री शर्मा ने कहा कि असफलता यह साबित करती है की सफलता

रातीबड़ में बनेगी ट्रिपल आइटी की बिल्डिंग, 50 एकड़ में तैयार होगा कैंपस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

छह साल से मैनिट में संचालित हो रहे इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इनफार्मेशन टेक्नालाजी (ट्रिपल आइटी) को अब अपना भवन और कैंपस मिलने जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के इस संस्थान का कैंपस 50 एकड़ में तैयार होगा।यहां विद्यार्थियों के लिए हाइटेक लैब, पार्किंग, लाइब्रेरी, होस्टल, खेल ग्राउंड सहित अन्य सुविधाएं होंगी। हालांकि यह सब तैयार होने में दो से ढाई साल का समय लगेगा। जमीन आवंटन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिसके बाद निर्माण कार्य आरंभ होगा। बता दें कि भोपाल में ट्रिपल आइटी की स्थापना छह साल पूर्व हो चुकी है। वर्तमान में संचालित बीटेक पाठ्यक्रम में 950 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित ट्रिपल आइटी वर्तमान में मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के न्यू टीचिंग ब्लाक में संचालित हो रहा है, जहां इंफार्मेशन टेक्नालाजी से जुड़े तीन विषयों में बीटेक पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है।यहां संस्थान को 22 कमरे आवंटित किए गए हैं, जहां सिर्फ तीन लैब हैं। स्टूडेंट मैनिट की लैब का उपयोग भी करते हैं। अपना कैंपस होने से विद्यार्थियों की सुविधाओं में इजाफा होगा। यहां कुल 375 सीटें हैं, जिनमें जेईई एडवांस के माध्यम से देश भर के बच्चे प्रवेश लेते हैं। संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के लिए कई गतिविधियों का संचालन भी किया जा रहा है।

पहले आरजीपीवी में दी गई थी जमीन- इससे पूर्व आरजीपीवी कैंपस में संस्थान को जमीन दी जा रही थी। उस जमीन के बीच से बायपास रोड निकला है, जिससे 50 एकड़ जमीन में से 36 एकड़ जमीन ही उपयोगी थी।इस कारण इस पर सहमति नहीं बन सकी। वहीं भेल क्षेत्र में भी जमीन आवंटन की बातचीत चली थी। संस्थान के निदेशक प्रो आशुतोष प्रताप सिंह ने बताया कि जमीन का चयन हो चुका है। जमीन आवंटन के लिए अब यह मामला कैबिनेट में जाएगा।नई सरकार के गठन के बाद इस काम में तेजी आएगी।करीब दो से ढाई साल में नये परिसर की सौगात मिल जाएगी।

तीसरी लाइन के कारण ट्रेनें निरस्त, यात्री हो रहे है परेशान

भोपाल। भोपाल-इटारसी रेल खंड पर बुधनी-बरखेड़ा (घाट सेक्शन) के बीच तीसरी लाइन कार्य के चलते रेलवे ने छिंदवाड़ा से होकर इंदौर जाने वाली पेंचवैली एक्सप्रेस और फिरोजपुर तक जाने वाली पातालकोट एक्सप्रेस निरस्त हो गई है। अब दस दिसंबर तक इन ट्रेनों का परिचालन नहीं किया जाएगा। जिसके चलते यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ट्रेनें निरस्त होने के कारण यात्रियों को बस से सफर करना पड़ रहा है, जिसके कारण अधिक किराया देकर सफर करना पड़ रहा है। रेलवे ने कार्य के चलते इंदौर-सिवनी पेंचवेली एक्सप्रेस (19343) नौ दिसंबर तक वहीं, छिंदवाड़ा-इंदौर पेंचवेली एक्सप्रेस(19344) दस दिसंबर तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा फिरोजपुर से सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस (14624) नौ दिसंबर तक तथा सिवनी-फिरोजपुर पातालकोट एक्सप्रेस (14623) को दस दिसंबर तक निरस्त किया गया है।

निरस्त की जाने वाली ट्रेनें: ट्रेन 12923 डा. अंबेडकर नगरङ्कनागपुर एक्सप्रेस पांच दिसंबर को तथा ट्रेन 12924 नागपुर-डा. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस छह दिसंबर को निरस्त रहेगी। ट्रेन 12153 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रानी कमलापति एक्सप्रेस सात दिसंबर को तथा ट्रेन 12154 रानी कमलापति-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस आठ दिसंबर को निरस्त रहेगी। ट्रेन 11079 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस सात दिसंबर को तथा ट्रेन 11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी। ट्रेन 22175 नागपुर-जयपुर एक्सप्रेस सात दिसंबर को तथा ट्रेन 22176 जयपुर-नागपुर एक्सप्रेस आठ दिसंबर को निरस्त रहेगी। ट्रेन 12161 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-आगरा कैंट एक्सप्रेस आठ दिसंबर को तथा ट्रेन 12162 आगरा कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी। ट्रेन 01431 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस स्पेशल आठ दिसंबर को तथा ट्रेन 01432 गोरखपुर-एक्सप्रेस स्पेशल नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी। ट्रेन 01025 दादर-बलिया एक्सप्रेस स्पेशल छह दिसंबर एवं आठ दिसंबर को तथा ट्रेन 01026 बलिया-दादर एक्सप्रेस स्पेशल आठ दिसंबर एवं दस दिसंबर को निरस्त रहेगी। ट्रेन 01027 दादर-गोरखपुर एक्सप्रेस स्पेशल सात दिसंबर को तथा ट्रेन 01028 गोरखपुर-दादर एक्सप्रेस स्पेशल नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलाई जाने वाली ट्रेनें: ट्रेन 11463-64 जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस पांच, छह, सात और नौ दिसंबर को अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जबलपुर-कटनी मुडवारा-बीना-भोपाल होकर गंतव्य को जाएगी।ट्रेन 18233-34 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस नौ दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया न्यू कटनी जंक्शन-कटनी मु?वारा-बीना-भोपाल होकर गंतव्य को जाएगी। ट्रेन 22191-92 जबलपुर-इंदौर एक्सप्रेस सात दिसंबर से नौ दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जबलपुर-कटनी मुडवारा-बीना-भोपाल होते हुए गंतव्य को जाएगी।

रोटरी क्लब भोपाल हिल्स का साझा प्रयास, अंतरराष्ट्रीय विकलांगता दिवस पर आयोजित किया कार्यक्रम

भोपाल। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स ने अपोलो सेज हॉस्पिटल और डिनासिया डेंटल हॉस्पिटल के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय विकलांगता दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से रोटरी के सदस्यों ने प्रिविलेज कार्ड उपहार प्राप्त किया और हॉस्पिटलों की विशेषताओं का जानकारी प्राप्त किया। इसके साथ ही, भोपाल के रोटेरी सदस्यों ने डेनासिया डेंटल हॉस्पिटल में नि:शुल्क प्रशिक्षण भी प्रदान किया। यह पहल एक सकारात्मक कदम है जिसमें स्थानीय समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाला चिकित्सा प्रशिक्षण मिलेगा। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स इस अद्भूत उपाय से स्वास्थ्य सेवाओं के पहुंचन को बढ़ावा देने का संकल्प करता है और भविष्य में इसे और भी बढ़ावा देने का आशा करता है, जिसके संयोजक हैं रोटेरियन कुणाल सिंघल।

सम्पादकीय

संसद सत्र की शुरुआत

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। लेकिन इस सत्र की बात कुछ और ही होगी। माहौल भी एकदम बदला-बदला लग रहा है। पांच राज्यों के चुनाव परिणामों की प्रतिक्रियाएं इस सत्र में देखने को मिल सकती है तो आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी की झलक भी देखने को मिलेगी। स्वस्थ चर्चा के लिए बातें तो खूब की जा रही हैं, लेकिन हो पाएगी, इसमें अभी भी संदेह ही है। फिर भी उम्मीद तो की ही जा सकती है।

आम तौर पर संसद का शीतकालीन सत्र इतने गर्म राजनीतिक माहौल में शुरू नहीं होता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोमवार को संसद भवन पहुंचने के बाद हलके-फुलके अंदाज में इस ओर संकेत किया, लेकिन अगर किसी को भी इस सत्र के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने का भ्रम रहा होगा तो वह पहले ही दिन दूर हो गया होगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान यह साफ कर दिया कि सत्र के दौरान अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर की जाने वाली पोजिशनिंग ही निर्णायक साबित होगी। पीएम मोदी ने कहा कि बेहतर होगा विपक्ष चुनाव नतीजों का गुस्सा सदन में निकालने की कोशिश न करे। जाहिर है, सत्ता पक्ष यह मानकर चल रहा है कि विपक्ष का रुख आक्रामक होगा। इसके कई और संकेत पहले से मिल रहे हैं।

जिन मसलों पर पहले से सत्ता पक्ष और विपक्ष में तलवारें खिंची हुई हैं, उनमें एक प्रमुख मुद्दा है तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़ा कैश फॉर क्वेश्चन संबंधी आरोपों का। इस मामले में एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट संसद में पेश की जानी है, लेकिन वह पहले ही लीक हो चुकी है। इसमें कथित तौर पर की गई महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने की सिफारिश पर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी स्पीकर को पत्र लिख चुके हैं कि ऐसा कदम उठाना सही नहीं होगा। तृणमूल कांग्रेस एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग कर रही है। करीब 18 दिन (4 से 22 दिसंबर तक) चलने वाले इस सत्र के दौरान सबकी नजरें विपक्षी दलों की आक्रामकता पर ही नहीं उनके आपसी तालमेल पर भी रहेगी।

यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि लोकसभा चुनावों से ठीक पहले हुए विधानसभा चुनावों में मिले प्रतिकूल नतीजों का कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के जोश पर कितना और कैसा प्रभाव पड़ा है। क्या इंडिया गठबंधन को कायम रखने और उसे आगे बढ़ाने को लेकर उनका संकल्प पहले जितना ही मजबूत है या उसमें किसी तरह की कमजोरी आई है? हालांकि इन बातों पर ज्यादा रोशनी इंडिया गठबंधन के घटक दलों की चौथी बैठक में पड़ेगी, जो 6 दिसंबर को दिल्ली में ही होनी है लेकिन सदन के अंदर विपक्षी दलों के आपसी सामंजस्य और तालमेल में भी उसकी स्पष्ट झलक मिलेगी।

जहां तक इस सत्र में पेश होने वाले बिलों की बात है तो मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल ही नहीं इंडियन पीनल कोड, इंडियन एविडेंस एक्ट और क्रिमिनल प्रसीजर कोड की जगह लाए जाने वाले बिलों समेत करीब 21 विधेयक इस सत्र में पेश किए जाने हैं। बेहतर होगा आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे-वॉकआउट, बहिष्कार वगैरह के बीच भी सत्ता पक्ष और विपक्ष इस बात की गुंजाइश बनाएं कि तमाम महत्वपूर्ण बिलों के अलग-अलग पहलुओं पर विस्तृत बातचीत और बहस जरूर हो ताकि संसद के मंच पर विपक्ष की असहमति ही नहीं, उसके विचार भी दर्ज हों। यही नहीं जनता के बीच भी ये संदेश भी जाना चाहिए कि उसके मुद्दों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

नए सूबेदारों को लेकर उलझन में भाजपा

राकेश अचल

देश के पांच में से तीन सूबे जीतने वाली भाजपा के लिए इन राज्यों में नए सूबेदारों का चयन कितना जटिल काम है ,ये चुनाव नतीजे आने के दो दिन अनिर्णय में बीत जाने से साबित हो रहा है । भाजपा को अब रायशुमारी के बजाय थोपाथापी से काम चलाना पडेगा,क्योंकि तीनों राज्यों में दो से अधिक बार सूबेदार [मुख्यमंत्री] रह चुके लोग पहले से मौजूद हैं। लेकिन उनका मॉडल बहुत पुराना हो चुका है। वे नए विधायकों को साथ लेकर अपने-अपने सूबों में मोदी की गारंटी जनता को दे पाएंगे, ये कहना कठिन है।

सबसे ज्यादा मुश्किल मध्यप्रदेश में है । मप्र में सत्ता का एक अनार है और बीमार अनेक। वहां कायदे से मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ही सूबेदार बनने के लिए सबसे सुयोग्य व्यक्ति हैं ,लेकिन उन्हें पांचवीं बार सूबेदारी सौंपना भाजपा के लिए आसान काम नहीं है। पिछले बीस साल में मप्र में बहुत से नए दावेदार पैदा हो चुके हैं। भाजपा चाहे तो चौहान को ही आगामी लोकसभा चुनाव तक मौक़ा दे दे तो कोई नुक्सान होने वाला नहीं है । चौहान को चुनौती देने की स्थिति में फिलहाल मप्र में कोई नहीं है। मैंने देखा है कि पूरा चुनाव चौहान के इर्दगिर्द ही था। सूबेदारी के अन्य दावेदारों में शामिल कैलाश विजयवर्गीय,प्रह्लाद पटेल,वीडी शर्मा,केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और अंत में ज्योतिरादित्य का आदित्य सीमित था । सबसे ज्यादा सभाएं,रैलियां और जनसम्पर्क शिवराज सिंह चौहान के खाते में दर्ज है।

मेरा अनुमान है कि भाजपा हाईकमान मप्र में नए प्रयोग करने से बचेगा,अन्यथा उसे मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है,हालांकि सूबेदारी न मिलने से शिवराज सिंह चौहान बागी होने वाले नहीं हैं, लेकिन प्रदेश की जनता शायद इसे बर्दाश्त न करे। ज्योतिरादित्य सिंधिया कभी सूबेदार बनना नहीं चाहते क्योंकि वे तो सनातन महाराज है। महाराज कभी सूबेदार बनते नहीं किन्तु मोदी है तो मुमकिन भी है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी राजी होना पड़े।

मप्र की ही तरह राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती बसुंधरा राजे है। वे महारानी कम, सूबेदार ज्यादा है। पहले भी सूबेदारी कर चुकीं हैं और आज भी उन्होंने शायद अपना दावा नहीं छोड़ा है ,किन्तु लगता है इस बार उन्हें निराश ही होना पडेगा,क्योंकि भाजपा हाई कमान राजस्थान को नाथ संप्रदाय के हवाले करना चाहता है। राजस्थान में भाजपा के पास एक बाबा है भी। वैसे तो भाजपा के पास महारानी के जबाब में एक रानी दीया कुमारी भी हैं लेकिन इनमें से किसी एक के पास भी बसुंधरा राजे जैसी धरा नहीं है। लेकिन कोई तो सूबेदारी करेगा है । देखिये किसकी लाटरी खुलती है। ये तो जाहिर है कि राजस्थान में भी मप्र कि तरह नवनिर्वाचित विधायकों कि पसंद का नेता सूबेदार नहीं बनने वाला है।

सबसे छोटे छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्व के सूबेदार डॉ रमन सिंह हैं ,लेकिन उनका पानी उतर चुका है। यहां एकदम नया चेहरा ही सूबेदार बनाया जायेगा । वो आदिवासी होगा या पिछड़ा, ये कहना कठिन है। छत्तीसगढ़ में डॉ रमन सिंह अब भाजपा के लिए उतने महत्वपपूर्ण नहीं रहे जितने कि वे 2018 तक थे। वे विद्रोही स्वभाव के भी नहीं है। वे पार्टी हाई कमान के किसी भी फैसले को चुनौती देने की स्थिति में भी नहीं हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ को एकदम ताजा चेहरा सूबेदार के रूप में मिलने वाला है। तीनों राज्यों में केवल छत्तीसगढ़ है जहां भाजपा हाईकमान को ज्यादा कसरत नहीं करना पड़ेगी।

भाजपा के नए सूबेदार वे ही होंगे जो भाजपा के सुप्रीमो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन में होंगे। नवनिर्वाचित विधायकों का मन टटोलने की औपचारिकता जरूर होगी ,लेकिन होगा वो ही जो मंजूरे मोदी होगा। मोदी इस समय भाजपा के तारणहार है। उन्होंने जीत के जश्न में भी साफ़ कह दिया था कि अब देश को मोदी की गारंटी के पीछे चलना पडेगा। लेकिन ये देश को तय करना है कि ऐसा हो या नही। देश क्या तय करेगा अभी से नहीं कहा जा सकता। लेकिन एक बात तय है कि यदि आने वाले दिनों में देश का विपक्ष नए सिरे से भाजपा कि धर्मध्वजा लेकर चल रहे विजय के अश्व को नहीं रोकता तो देश आने वाले दिनों में एक अलग तरह का देश होगा।

बहरहाल सब दिल्ली की और ताक रहे है। तेलंगाना में नए सूबेदार का चयन कांग्रेस के लिए कोई कठिन काम नहीं है । मिजोरम में भी शायद ही किसी को कोई समस्या हो ,क्योंकि वहां भाजपा तथा कांग्रेस निर्णायक स्थितियों में नहीं है। दक्षिण और पूरब तो भाजपा के करिश्मे से अभी अछूता है ,हालाँकि भाजपा दक्षिण और पूरब को भी फतह करने में लगी हुई है।

अमित शाह ने कांग्रेस को मध्यप्रदेश की 29 सीटों पर गेम में फंसाया, सपा और बसपा को मदद वाली रणनीति से कैसे बदले समीकरण

द सूत्र

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने एकतरफा जीत हासिल की। बीजेपी के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह की एक रणनीति की चर्चा जोरों से हो रही है। ये रणनीति सपा-बसपा को मदद करने की थी। दरअसल, अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान एक बैठक में पूछा था कि बीएसपी वालों को खर्चा-पानी देते हो कि नहीं। उनका इशारा सपा-बसपा प्रत्याशियों की मदद करने का था।

कांग्रेस पर भारी पड़ी शाह की रणनीति

अमित शाह ने ग्वालियर में बीजेपी नेताओं को सपा-बसपा प्रत्याशियों की मदद करने की सलाह दी थी। नतीजों के बाद ये साफ हो गया कि शाह की नीति कांग्रेस पर कितनी भारी पड़ गई। 29 सीटें ऐसी हैं जिन पर कांग्रेस की हार का अंतर सपा-बसपा प्रत्याशी को मिले वोटों से कम है।

अन्य दलों ने उतारे थे इतने प्रत्याशी

मध्यप्रदेश चुनाव में बसपा ने 178, समाजवादी पार्टी ने 70, आम आदमी पार्टी ने 66, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने 52 और ढ्ढस्ब्ढ्ढरू ने 4 प्रत्याशी उतारे थे। 28 सीटों पर सपा, बसपा और गोंगपा के होने से कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। वहीं रतलाम की सैलाना सीट पर भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत हासिल की। इस पार्टी ने राजस्थान में भी 3 सीटें जीती हैं।

ग्वालियर-चंबल

ग्वालियर-चंबल संभाग की 34 सीटों में से 7 सीटों पर कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मोर्चे की मौजूदगी एक बड़ी वजह बनी। बसपा प्रत्याशियों ने काफी वोट बटोरे।

बुंदेलखंड

बुंदेलखंड की 26 सीटों में से सपा-बसपा की वजह से कांग्रेस 7 सीटों पर हार गई। बीजेपी 21 सीटें और कांग्रेस 5 सीटें जीत पाई।

मालवा-निमाड़

66 सीटों वाले मालवा-निमाड़ में 5 सीटों पर निर्दलीय, भारत आदिवासी, आजाद समाज पार्टी और ढ्ढस्ब्ढ्ढरू का असर दिखा। 3 सीटों पर कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा।

महाकौशल और नर्मदापुरम

महाकौशल और नर्मदापुरम में दोनों अंचल की 8 सीटों पर गोंगपा, निर्दलीय और दूसरे दल के प्रत्याशियों ने कांग्रेस को हराने में निर्णायक भूमिका निभाई। 4 सीटों पर कांग्रेस हार गई।

भाजपा की जीत और 2024 का आम चुनाव

तीन राज्यों के चुनावी नतीजों में छिपा लोकसभा चुनाव का नरेटिव

अजय बोकिल

देश में लोकसभा चुनाव से पांच महीने पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हिंदी पट्टी में भाजपा की जबर्दस्त जीत केवल मोदी की लोकप्रियता की कायमी पर मोहर ही नहीं है, इसने आगामी लोकसभा चुनाव का नरेटिव भी सेट कर दिया है। ये है मोदी की गारंटी और मोदी का नया जातिवाद।

दरअसल, ये कांग्रेस की चुनावी गारंटियों और क्षेत्रीय दलों के जातिवाद के मुद्दों का नया जवाब है। इन तीनों हिंदी भाषी राज्यों में से दो में सत्तारूढ़ और एक में सत्ताकांक्षी कांग्रेस की करारी हार में छिपा सबक यह भी है कि अगर उसे राष्ट्रीय पार्टी बने रहना है तो उसे क्षेत्रीय दलों के मुद्दों की पिच पर बैटिंग करना छोड़कर खुद को अखिल भारतीय सोच के साथ ही मतदाता के पास जाना होगा।

दूसरे, चुनाव प्रबंधन की परीक्षा में कांग्रेस को माइक्रो मैनेजमेंट के पेपर में प्रथम श्रेणी के अंक लाने होंगे। इन नतीजों ने यह भी साबित किया कि लोकतंत्र में चुनाव केवल परसेप्शन, सोशल मीडिया एक्टिवनेस और प्रायोजित सर्वे के भरोसे नहीं जीते जाते। जनमानस को भांपने और जनाकांक्षा को संतुष्ट कर सकने के काम और वादों को पूरा करने से जीते जाते हैं।

हर राज्य में जीत की एक कहानी है-

पांच राज्यों में से राजस्थान को हम इस आधार पर अलग रख सकते हैं कि वहां बीते 30 सालों से हर पांच साल बाद सत्ता बदलने का रिवाज है। लेकिन इस रिवाज में भी इस बार नई बात भाजपा को स्पष्ट बहुमत का मिलना है, वरना वहां ज्यादातर समय सरकारें बहुत किनारे के बहुमत के साथ बनती रही है और उसे टिकाने के लिए मुख्यमंत्रियों को गहलोत की तरह 'जादूगरी' दिखानी पड़ती रही है। लेकिन राजनीति शास्त्र के हिसाब से मप्र और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम वाकई अध्ययन करने लायक हैं।

दरअसल, भाजपा ने बरसों की एंटी इनकम्बेंसी को प्रो- इनकम्बेंसी में बदला तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार, जिसे ज्यादातर लोग अजेय मानकर चल रहे थे, को भाजपा ने बिना किसी चेहरे को प्रोजेक्ट किए और आरंभिक हिचक के बाद चुनाव अभियान को तेज करके सत्ता से दमदार तरीके से बेदखल किया। यहां हमे भाजपा और कांग्रेस की चुनाव रणनीति और प्रबंधन के फर्क को समझना जरूरी है।

कांग्रेस आला कमान ने तीनो राज्यों में क्षेत्रीय क्षत्रपों पर भरोसा किया, जबकि भाजपा ने मोदी का चेहरा आगे कर विधानसभा के साथ-साथ आगामी लोकसभा चुनाव में भी मोदी की लोकप्रियता की सफल प्री टेस्टिंग कर ली। यह भाजपा में क्षत्रप संस्कृति के समापन का समारोही ऐलान भी था।

बेशक मप्र की जीत में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अहम भूमिका रही है। उन्हें राज्य में पांचवीं बार सीएम प्रोजेक्ट भले न किया गया हो, लेकिन उन्होंने इसे भी अपनी ताकत बनाकर अपने

और प्रकारांतर से भाजपा के पक्ष में लहर में तब्दील करने में जबर्दस्त कामयाबी हासिल कर ली। पार्टी को उन्हें अनदेखा करना आसान नहीं होगा। दूसरे, मप्र में शिवराज सरकार के खिलाफ जबर्दस्त और परिवर्तनकारी एंटी इनकम्बेंसी है, यह परसेप्शन कैसे बना और किसने बनवाया?

यह व्यक्तिगत पसंद और नापसंद पर आधारित था, आम जनता का उससे खास लेना-देना नहीं था। अलबत्ता भाजपा कार्यकर्ताओं में असंतोष जरूर था। और इसी एंटी इनकम्बेंसी के अर्द्धसत्य आधारित परसेप्शन को 'ब्रह्मसत्य' मानकर कांग्रेस ने अपनी चुनावी रणनीति तैयार की, जिसका खोखलापन मप्र में मतदाता ने भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 8 फीसदी वोट ज्यादा देकर साबित कर दिया। लेकिन इन चुनावों का राजनीतिक नवनीत वो मुद्दे हैं, जिनको लेकर भाजपा और एनडीए गठबंधन अगले साल में अप्रैल मई में होने वाले लोकसभा चुनाव में जाना चाहेगा। पहला तो गारंटी है।

इस देश में रेवड़ी कल्चर की शुरुआत दक्षिणी राज्य तमिलनाडु से हुई थी, जिसका उत्तर भारत में बीजारोपण आम आदमी पार्टी ने किया। इसका उसे खूब राजनीतिक लाभ भी मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू में तो इस रेवड़ी कल्चर से देश को आगाह किया, लेकिन बाद में वो और उनकी पार्टी खुद इसी रंग में रंग गए। ऐसे में रेवड़ियों के बूते सत्ता का महल सजाने वाली पार्टियां, जिनमें कांग्रेस भी शामिल है, यह भूल गई कि रेवड़ियों की प्रतिस्पर्धा में भाजपा उन्हें मीलों पीछे छोड़ सकती है, क्योंकि आज की तारीख में सबसे ज्यादा संसाधन उसी के पास है। मप्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में वही हुआ।

कांग्रेस ने इस रेवड़ी कल्चर पर अपनी गारंटी का मुलम्मा चढ़ाया तो मोदी ने इसे ही अपनी गारंटी बताकर उसे राजनीतिक सिक्योरिटी बांड में तब्दील कर दिया। अगले लोकसभा चुनाव में यह बांड पूरी ताकत से बेचा जाएगा। इसमें दो राय नहीं कि हिंदू समाज और खासकर उत्तर पश्चिम भारत में मोदी के दीवानों की कमी नहीं है।

यह दीवानगी समूचे पिछड़े वर्ग में तो है ही, सवर्णों में भी जबर्दस्त है। आंशिक रूप से मोदी दलित और आदिवासियों में भी कबूल हो चुके हैं। लोगों की यह मोदी भक्ति तर्कों और प्रश्नों से परे है। इसमें जल्द कोई कमी आएगी, यह मान लेना खुद को भ्रम में रखना है।

मोदी की क्षमता और नजरिया-

एक तरह से यह मान लिया गया है कि मोदी जी करिश्माई इंसान हैं। वो जो कहते हैं वो करते हैं। और वो वही करते हैं, जो बहुतांश हिंदू मन चाहता है। यह हकीकत है कि मोदी की इस गजब विश्वसनीयता पर विरोधियों द्वारा लगाए जाने वाले तमाम प्रश्नचिन्ह जनता ने खारिज कर दिए हैं। यानी कांग्रेस अथवा दूसरी विपक्षी पार्टियों की रेवड़ियों अथवा गारंटियों पर मोदी की गारंटी भारी पड़ी है और आगे भी भारी पड़ेगी। इसका असर उन दक्षिणी राज्यों में भी दिखेगा, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि वहां भाजपा के लिए दरवाजे पहले ही नहीं खुले थे या फिर खुलने के बाद अब बंद हो गए हैं। यानी वहां विधानसभा चुनाव में मोदी का जादू भले न चला हो, लोकसभा में वो कुछ न कुछ असर जरूर दिखाएगा।

एक और मुद्दा है मोदी का नया जातिवाद। देश में ओबीसी जातिगणना को लेकर मोदी सरकार पर बनाए जा रहे राजनीतिक दबाव और हिंदू एकता के बरक्स मंडल राजनीति की चिंगारी को फिर से हवा देने की सुनियोजित कोशिशों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिंदू सहित सभी समाजों की चार नई जातियां गिनाना शुरू किया है।

ये हैं युवा, महिला, किसान और गरीब। इसे मंडल राजनीति-2 के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। समूचे देश में यह दांव कितना कारगर होगा, यह देखने की बात है, लेकिन तीन हिंदी भाषी राज्यों में तो यह कामयाब रहा है। मतदाता ने कांग्रेस के जातिगणना के वादे को खास तवज्जो नहीं दी। खासकर मप्र में ये मुद्दा इसलिए भी बेअसर रहा, क्योंकि यहां बीजेपी बीस साल से पिछड़ों की राजनीति ही कर रही है और अधिकांश पिछड़ी जातियां राष्ट्रीय स्तर पर मोदी को ही अपना आइकन मानती हैं और इसमें कोई फर्क शायद ही पड़े।

कांग्रेस की गलतियां और संगठन-

यहां सवाल यह है कि इन परिस्थितियों में कांग्रेस को आखिर किस तरह की राजनीति करनी चाहिए और जाति गणना का मुद्दा उठाने से उसे क्या लाभ मिलना है? यह सवाल इसलिए भी अहम है, क्योंकि कांग्रेस में शीर्ष स्तर पर आज भी ओबीसी नेताओं की संख्या नगण्य है। वहां ज्यादातर अगड़े और गिने चुने दलित नेता ही हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान जैसे जैसे ओबीसी का मुद्दा उठाना शुरू किया, कहते हैं कि वैसे वैसे कमलनाथ के मन में यह शंका घर करती गई कि यदि पार्टी सचमुच चुनाव जीती तो कहीं आला कमान ऐन वक्त पर किसी ओबीसी को सीएम न बना दे। ओबीसी राजनीति के प्रति अनावश्यक झुकाव कांग्रेस के लिए आत्मघाती ही होगा। दूसरा मुद्दा सनातन का रहा।

हालांकि, सनातन धर्म पर हमला कांग्रेसनीत् इंडिया गठबंधन में शामिल डीएमके ने किया था, जो तमिलनाडु की राजनीति के हिसाब से सही भी हो सकता है, लेकिन कांग्रेस ने उससे खुद को अलग नहीं किया। जबकि यह बहुसंख्य हिंदुओं की आस्था पर सीधी चोट थी। बीजेपी ने उत्तर भारत में इसी बिना पर कांग्रेस पर हमले किए कि वह सनातन धर्म विरोधी है।

कमलनाथ ने मप्र में इस खतरे को भांपकर खुद को ज्यादा सनातनी साबित करने की कोशिश की, लेकिन उस पर किसी ने भरोसा नहीं किया और भाजपा की इस पिच पर वो हिट विकेट ही हुए। इसी तरह इजराइल- हमास युद्ध का भारत और चुनाव वाले तीन राज्यों से कोई सम्बन्ध नहीं था। पीएम मोदी ने हमास द्वारा इजराइल पर आतंकी हमले के समय जो पहला ट्वीट किया उसी से समूचे हिंदू समाज में अलग संदेश जा चुका था।

विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने इसका राजनीतिक जवाब देने की नियत से ताबड़तोड़ सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाकर फिलिस्तीनियों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया, जिसमें हमास के हमले की कहीं कोई आलोचना नहीं थी। मुस्लिम वोटों को साधने की कांग्रेस की इन कोशिशों का बहुसंख्यक समाज में विपरीत संदेश गया।

हैरानी की बात यह थी कि कांग्रेस के अंदरूनी झगड़ों को सुलझाने के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक महीनो नहीं होती। लेकिन विदेश नीति से जुड़े फिलिस्तीन के मुद्दे पर ताबड़तोड़ प्रस्ताव पारित किया गया। विदेश नीति से जुड़े मामले में कांग्रेस सोच समझकर प्रतिक्रिया दे सकती थी। चौथा, मुद्दा खुद राहुल गांधी हैं।

ज्यादातर लोगों में यह धारणा है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के रूप में राहुल ने जो कुछ कमाया था, उसका काफी कुछ उन्होंने अपनी दो प्रायोजित विदेश यात्राओं में गंवा दिया। कोई भी व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो, घर के झगड़े पड़ोस में जाकर बताए और परायों से इसका गिला करे, यह शायद ही कोई पसंद करता है। राहुल भारत में पीएम मोदी पर कितने ही हमले करें, लेकिन विदेश में जाकर जब वो मोदी, भाजपा और आरएसएस का रोना रोते हैं, तो उसका लोगो में अनुकूल संदेश नहीं जाता।

ये जनादेश कमल के नाम

-राकेश दुबे

कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व और राज्यों के प्रादेशिक नेतृत्व कोई चमत्कार नहीं दिखा सके । विधानसभा चुनावों के जनादेश प्रमुख तौर पर भाजपा के नाम ही रहे। पार्टी ने उत्तर भारत के दो बड़े और प्रमुख राज्यों-मध्यप्रदेश और राजस्थान- में जनादेश हासिल किया है। मप्र में तो 160 से अधिक सीट जीत कर भाजपा को 'प्रचंड बहुमत' मिला है, जबकि राजस्थान में 110 से अधिक सीटों का स्पष्ट बहुमत कमतर नहीं है। इसे भाजपा के पक्ष में सत्ता की लहर माना जा सकता है, क्योंकि ये जनादेश अनपेक्षित और अप्रत्याशित हैं।

वैसे इस बार जनादेश प्रधानमंत्री मोदी, 'कमल' और पार्टी काडर के नाम भी रहा, क्योंकि दोनों ही राज्यों में भाजपा ने 'मुख्यमंत्री का चेहरा' पेश नहीं किया था। सामूहिक संठन ने एकजुट होकर चुनाव लड़े थे। राजस्थान में सत्ता का रिवाज नहीं बदला जा सका और कांग्रेस की 'गारंटियां' भी जनता ने खारिज कर दीं। खासकर 50 लाख रुपए की 'चिरंजीवी' स्वास्थ्य योजना पर जनता ने भरोसा नहीं किया, क्योंकि राज्य का बजट ही बेहद कम है। तो 8 करोड़ राजस्थान वासियों को मुफ्त इलाज की गारंटी कैसे संभव थी? इसकी तुलना में 'प्रधानमंत्री की गारंटी' पर सभी राज्यों की जनता ने भरोसा किया। हालांकि ये तमाम गारंटियां 'मुफ्तखोरी' की श्रेणी में ही आती हैं।

बौद्धिक विशेषज्ञों की एक जमात 'मुफ्त की रेवडियों' को भी उचित मानती है। उसकी दलील है कि सरकार का बुनियादी दायित्व 'कल्याणकारी योजना' का है और गरीब आदमी की पहली अपेक्षा सरकार से ही होती है। राजस्थान में 'सांप्रदायिक रक्तपात' और 'सर तन से जुदा..' सरीखे मुद्दों ने भाजपा के पक्ष में गति दी और तुष्टिकरण के खिलाफ वोट पड़े। नतीजतन मेवाड़, मारवाड़, जयपुर आदि क्षेत्रों में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की।

छत्तीसगढ़ का जनादेश सबसे ज्यादा चौंकाने वाला रहा। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने माना है कि इतने व्यापक 'अंडर करंट' का एहसास भाजपा को भी नहीं था। बहरहाल छत्तीसगढ़ में सत्ता-परिवर्तन हो रहा है और भाजपा की सरकार बन रही है। मुख्यमंत्री बघेल और उनके अधिकतर मंत्री चुनाव हार गये । भाजपा को 54 सीटें मिली हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 46 है। 2018 के जनादेश की तुलना में कांग्रेस 'आधी' से भी कम हो गई है। यह बेहद गंभीर पराजय है। जनता के इस मूड को कोई भी 'एग्जिट पोल' और विश्लेषण भांप नहीं पाया। देश में सबसे ज्यादा आदिवासी छत्तीसगढ़ में रहते हैं और मप्र में इनकी 21 प्रतिशत आबादी है। दोनों ही राज्यों में भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की है।

मप्र और राजस्थान के जनादेश इसलिए भी महत्त्वपूर्ण हैं, क्योंकि वहां लोकसभा की क्रमशः 29 और 25 सीटें हैं। जनादेश से स्पष्ट है कि 2024 के आम चुनाव की लहर भाजपा के पक्ष में बह रही है। मप्र में बीते 18 साल से भाजपा सत्तारूढ़ है। उसके बावजूद दो-तिहाई बहुमत हासिल हुआ है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भारी मतों से जीते हैं।जनादेश से दो निष्कर्ष बिल्कुल स्पष्ट हैं। एक तो सत्ता-विरोधी लहर नहीं थी। दूसरे, जनता भाजपा सरकार की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन को लेकर आश्वस्त है।

राजस्थान, मप्र और छत्तीसगढ़ में करीब 50 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। कमोबेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 1.31 करोड़ 'लाडली बहनों' ने ऐसा जनादेश देकर स्पष्ट कर दिया है कि अब जनाधार किस दिशा में काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के जरिए जो 'लाभार्थी समूह' तैयार किया है, वह भी पूरी तरह भाजपा के पक्ष में वोट कर रहा है।

वैसे कांग्रेस के लिए एकमात्र राजनीतिक हासिल यह रहा है कि तेलंगाना में उसकी सरकार बन रही है। वहां चंद्रशेखर राव और उनकी पार्टी 'बीआरएस' 10 साल की सत्ता के बाद विदा होंगे। जनादेश वहां के मुसलमानों के नाम भी रहा, जिनके करीब 83 प्रतिशत मतदाताओं ने कांग्रेस को ही वोट दिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नगर सीमा से सटा स्वागत द्वार जर्जर, हो सकता है कोई बड़ा हादसा

ओबेदुल्लागंज। संवाददाता. भोजपुर मार्ग स्थित स्वागत द्वार बीते तीन दिनों से जर्जर हालत में है लेकिन नगर परिषद के जिम्मेदारों को होश नही हवा में लटकने के कारण इससे कोई बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है आपको बता दें कि भोजपुर रोड पर नगर सीमा के अंदर दाखिल होने वाला स्वागत द्वार तेज हवा आंधी के चलने जर्जर हो कर बीच से टूटकर लटक रहा है रेस्टहाउस के समीप होने के कारण इस रास्ते से अनेक वीआईपी सहित राहगीरों व स्कूली बच्चों का आना जाना है लेकिन स्थानीय प्रशासन की वेरुखी के कारण इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा लोगों की माने तो यह जर्जर स्वागत द्वार को जल्द ठीक नहीं कराया गया तो कभी भी कोई बड़ी जनहानि की घटना घटित हो सकती है।आमजनों ने नगर परिषद प्रसाशन से अविलंब इसको दुरुस्त कराने की अपील की है आपको बता दें कि पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष तूफान सिंह राजपूत ने अपने कार्यकाल में नगर सीमा में प्रवेश से पहले चारों दिशाओं में इन चार स्वागत द्वारों का निर्माण कार्य कराया था।

आपके द्वारा यह बात मेरे संज्ञान में लाई गई है शीघ्र अति शीघ्र मरम्मत करवाई जाएगी

सीएमओ सोनाली शर्मा

रेलवे पटरी पर घायल यात्री को पुलिस ने समय पर अस्पताल पहुँचकर बचाई जान

नमंदापुरम। इटारसी पथरौटा थाना क्षेत्र अंतगत कांरतपुर जुझारपुर रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे लाइन किनारे एक व्यक्ति ट्रेन से गिरकर गंभीर घायल हो गया था।इस धटना कि सूचना मिलते ही पथरौटा थाने के आरक्षक धर्मेन्द्र कुचबंदिया एवं पायलट करीम खान ने उक्त स्थान पर तत्काल पहुँचकर घायल यात्री की सूचना 108 एम्बुलेंश को दी, एम्बुलेंश कि देरी एवं रेल्वे लाईन से सड़क मार्ग कि दुरी को देखते हुए आरक्षक कुचबंदिया ने अपने सहयोगियों के साथ घायल यात्री को स्ट्रेचर पर लेटाकर ढाई किलोमीटर पैदल एम्बुलेंश तक पहुँचकर घायल को अस्पताल पहुँचाया। डॉक्टरों द्वारा उसका तुरंत उपचार किया गया । घायल व्यक्ति का नाम मनप्रीत सिंह आंध्र प्रदेश का निवासी बताया जा रहा है।आरक्षक की समझदारी से घायल को समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई।स्ट्रेचर पर घायल को पुलिस आरक्षक और 100 डायल के पायलट का यह वीडियो वायरल होने के बाद से लोगो द्वारा इस कार्य की प्रशंसा की जा रही है।

बैरसिया में फिर खिला कमल विष्णु खत्री तीसरी बार फिर विजय

बैरसिया। भाजपा के अभेद किले के रूप में मध्य प्रदेश की विधानसभा सीट बैरसिया से भाजपा के विष्णु खत्री लगातार तीसरी बार फिर से विधायक बन गए हैं लगातार यह पांचवी बार होगा कि जहां पर भाजपा अपने इस अभेद किले को बचाने में सफल रही है विष्णु खत्री ने कांग्रेस की उम्मीदवार जय श्री हरीकरण को 25 397 वोटो से हराकर अपनी लगातार तीसरी बार जीत हासिल की भाजपा हमेशा से निरंतर बैरसिया में विकास के कामों पर वोट मांग कर जनता में लोकप्रियता हासिल की जिसके चलते कांग्रेस लगातार पांचवी बार हार गई भाजपा की इस बड़ी जीत के बाद बैरसिया में विधायक विष्णु खत्री ने विजय जुलूस के साथ सभी जनों का आभार व्यक्त के साथ सभी बड़े जनों का आशीर्वाद लिया भाजपा की जीत के बाद नगरवासियों खुशी की लहर दिखाई दी सभी जनों ने अपने नेता के चुने जाने पर हर फूलों से उनका स्वागत कर आतिशबाजी के साथ अपना हर्ष व्यक्त किया

नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने गढ़ा नया कीर्तिमान 42821 मतों से हुई विजय , भोपाल से लेकर दिल्ली तक मजबूत पकड़

रोहित चौधरी बरेली 7 भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश में प्रचंड परिणाम में भाजपा को भारी बहुमत के साथ विजयश्री प्राप्त करने पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं में अगल ही उत्साह देखने को मिला उदयपुरा विधानसभा में भाजपा से नवनिर्वाचित विधायक नरेंद्र शिवाजी पटेल ने ऐतिहासिक मतों से नए कीर्तिमान गढ़ते हुए करते हुए 42821 मतों से विजय श्री प्राप्त की रायसेन मैं निर्वाचन अधिकारी से विजयश्री का प्रमाण पत्र प्राप्त कर नारायण शिवाजी पटेल बरेली आए तो वहीं कार्यकर्ताओं ने भी उनके स्वागत के लिए पिपरिया रोड पर तैयारी कर रखी थी नरेंद्र शिवाजी पटेल को ढोल बाजे डीजे के साथ नगर में विजय जुलूस निकालते हुए बीजेपी कार्यालय लाया गया कार्यालय में मौजूद विधायक पिता शिवाजी पटेल के चरणों में नतमस्तक होकर नरेन्द्र ने आशीर्वाद लिया जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक जीत और मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत का जश्न आतिशबाजी और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया गया इस बीच नगर में विजय जुलूस के दौरान जनता द्वारा नगर में जगह-जगह नरेंद्र शिवाजी पटेल को पुष्प बरसा कर स्वागत किया 7

पटेल ने जताया आभार

नरेंद्र शिवाजी पटेल ने उदयपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता जनार्दन का आवाज जताते हुए कहा किमेरे सभी परिवारजनों के वोट रूपी आशीर्वाद के बल पर विधानसभा चुनाव में मुझे ऐतिहासिक जीत दिलाकर विजयी बनाने के लिए आप सभी देवतुल्य जनता का अंतःकरण से आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हूँ। मेरे जीवन का क्षण-क्षण और शरीर का कण-कण उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 140 के मेरे परिवारजनों के कल्याण हेतु समर्पित है। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और हर नागरिक के जीवन को खुशहाल बनाने का लक्ष्य लेकर सदैव कार्य करता रहूंगा और आप सबकी सेवा के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने नया इतिहास बनाया है। इस जीत के असली शिल्पकार पार्टी के कार्यकर्ता है। जिनकी निष्ठा और समर्पण भाव को मैं नमन करता हूँ, जिसके चलते प्रचंड जीत मिली है। मुझ पर विश्वास रखने के लिए भाजपा शीर्ष नेतृत्व एवं सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं का हृदय की गहराइयों से आभार एवं धन्यवाद । जिला सह-मीडिया प्रभारी एवं उदयपुर विधानसभा मीडिया प्रबंधन प्रभारी रोहित चौधरी ने कहा कि उदयपुरा विधानसभा में युवा प्रत्याशी नरेन्द्र शिवाजी पटेल की यह जीत उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के विकास में नए आयाम स्थापित करेंगी सभी पत्रकार बंधुओ का आभार जिन्होंने अपूर्ण सहयोग करते हुए भारतीय जनता पार्टी की जनहितैषी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया 7

सोमवार को विजयश्री के बाद भगवान गणेश के मंदिर में पहुंचकर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना

लगातार तीसरी जीत दर्ज करने वाले विधायक ने कहा डबल इंजन की सरकार मप्र को विकास के इस पथ पर अग्रसर रखेगी

सीहोर। सीहोर विधानसभा में देव तुल्य कार्यकर्ताओं और जनता के आशीर्वाद से लगातार तीसरी बार विजय श्री दर्ज करने वाले लोकप्रिय विधायक सुदेश राय ने सोमवार को शहर के प्रसिद्ध भगवान गणेश मंदिर में सपत्नीक भगवान के दर्शन-पूजन और भगवान गणेश से विश्व कल्याण एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात राजधानी भोपाल पहुंचकर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद ग्रहण किया।

सोमवार की दोपहर में शहर के लीसा टाकीज स्थित सीहोर विधानसभा कार्यालय में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं ने अपने विधायक सुदेश राय का स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों, गरीबों और प्रदेश के हर वर्ग ने खुशहाल मध्यप्रदेश के लिए लोकतंत्र के इस पावन पर्व में हिस्सा लिया। डबल इंजन की सरकार मध्यप्रदेश को विकास के इस पथ पर अग्रसर रखेगी, आपने जो विश्वास हम पर जताया है; हम उसे टूटने नहीं देंगे। चुनाव जीतने वाले घर बधाई देने वालों का सुबह से लेकर शाम तक तांता लगा रहा। चुनाव कार्यालय पर पूरे दिन कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटी रही। जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। विधानसभा क्षेत्र से लगातार विधायक चुने गए विधायक श्री राय ने सुबह घर में ही पूजा अर्चना की। वह चुनाव कार्यालय में जुटे कार्यकर्ताओं से मिले और सभी के प्रति आभार जताया। चुनाव में मिली जीत का श्रेय पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समर्थक व क्षेत्र की जनता को दिया।

सरस्वती शिशु मंदिर गल्लामण्डी में भव्य रूप में आयोजित हुआ शिशु नगरी कार्यक्रम

छतरपुर। स्थानीय पुरानी गल्लामण्डी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में माननीय श्री सियाराम गुप्ता जी (प्रांत प्रमुख सरस्वती शिक्षा परिषद) की अध्यक्षता, श्री हरीराम जी तिवारी मुख्य अतिथि (विभाग समन्वयक स.शि.प.), श्री मणिकांत जी विशिष्ट अतिथि (जिला सचिव), श्रीमती मंजू नीरज भार्गव (पार्षद) की उपस्थिति में शिशु नगरी कार्यक्रम पूर्ण हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। संस्था मीडिया प्रभारी धर्मेश मानव ने जानकारी देते हुये बताया कि परिषद की योजनानुसार सम्पूर्ण महाकौशल प्रांत में शिशु नगरी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में आज 02 दिसम्बर 2023 को विद्यालय में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के पूजन अर्चन एवं वंदना के साथ प्रारंभ हुआ तत्पश्चात संस्था के प्रधानाचार्य श्री जवाहरलाल तिवारी जी द्वारा अतिथि परिचय एवं स्वागत और सम्पूर्ण कार्यक्रम की रूपरेख विद्यालय की दीदी श्रीमती नेहा पाटकार (शिशु वाटिका विभाग प्रमुख) द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम शिशु विभाग के नन्हे मुन्हे भैया-बहिनों द्वारा प्रस्तुत किये गये विद्यालय में आये हुये

शिशुओं और उनकी माताओं की गतिविधि आधारित प्रतियोगिताऐं सम्पन्न हुईं। कार्यक्रम में प्रांत प्रमुख श्री सियाराम जी गुप्ता ने शिशु मंदिर योजना के अंतर्गत शिशुओं के विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक कौशल को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में छत्रसाल बाल कल्याण समिति के व्यवस्थापक श्री विनोद टिकरया जी, श्री घनश्यामदास जी गुप्ता, श्रीमती मंजूषा खरे जी, श्रीमती निधि रूसिया जी, श्रीमती कमला गुप्ता जी, श्रीमती सुमन खरया जी दीदी के अलावा गल्लामण्डी क्षेत्र की अन्य जागरूक सामाजिक महिलाऐं भी कार्यक्रम को देखने के लिए उपस्थित रहीं।

सीहोर में सनसनीखेज तरीके से तालिवानी हत्या...

युवक को कार से बांधकर फोरलेन पर 25 किलोमीटर तक घसीटा

सीहोर। भोपाल-श्यामपुर-ब्यावरा फोरलेन पर कार से बांधकर सड़क पर करीब 25 किलोमीटर तक घसीटकर एक युवक की तालिवानी तरीके से निर्ममतापूर्वक हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। वारदात दो दिसंबर की रात श्यामपुर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी और मृतक परिचित होने के साथ विकास नगर गोविंदपुरा भोपाल के रहने वाले हैं। दोनों राजस्थान अजमेर के पास नसीराबाद तेरहवीं में गए थे, रास्ते में लौटते समय दोनों में शराब पीकर किसी बात पर विवाद हो गया, जिसमें आरोपी युवक ने टैक्सी (कार) चालक के साथ मिलकर हत्या कर दी।

पुलिस के मुताबिक मृतक संदीप नकवाल (35) पुत्र रमेश नकवाल 29 नवंबर को भोपाल से ट्रेन में सवार होकर नसीराबाद गया था, वहां उसके परिवार के कुछ लोग रहते हैं। इसी कार्यक्रम में भोपाल से राजेश चिराड़ की टैक्सी किराए पर लेकर संजीव नकवाल गए थे। वहां संजीव और संदीप नकवाल की मुलाकात हुई, दोनों के कार से वापस भोपाल आना तय किया, रास्ते में ड्राइवर राजेश चिराड़ के साथ मिलकर शराब पी, इसके बाद किसी बात पर विवाद हो गया। आरोपी युवकों ने संदीप नकवाल को गाड़ी के सीट बेल्ट में फंसा कर भोपाल-श्यामपुर-ब्यावरा फोरलेन पर

करीब 25 किलोमीटर तक घसीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। तालिबानी तरीके से की गई हत्या का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मृतक युवक का पिछला हिस्सा आधे से ज्यादा सड़क पर घिसकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर गायब हो गया। फोरलेन मार्ग पर चलने वाले प्रत्यक्ष दरसियो ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस को डायल 100 के कंट्रोल रूम से मैसेज मिला। पुलिस ने दोराहा टोल नाके पर पहुंचकर कार को जब्त किया। पुलिस आरोपी युवक संजीव नकवाल और ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बाबू जी राम राम का नारा चल गया

बदनावर में बडा उलट फेर कांग्रेस के भंवरसिंह शेखावत ने उधोगमंत्री दतीगांव को हराया

बदनावर। रविवार को हुई मतगणना में चौकाने वाले परिणाम सामने आए है। धार जिले में कांग्रेस ने 7 में से 5 सीटे जीत कर 2018 की स्थिति बरकरार रखी है। धार की सीट छोड शेष 5 सीटे कांग्रेस ने कब्जा बरकरार रखा। बदनावर में भाजपा को सबसे बडा झटका लगा है। जहां भाजपा से कांग्रेस में आए भंवर सिंह शेखावत ने कड़े मुकाबले में दतीगांव को पराजित किया। दतीगांव ने भी अंतिम राउंड तक कांटे की टक्कर दी। दतीगांव प्रथम चक्र से पिछडने के बाद अंत तक पिछे ही रहे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमलकिशोर पाटीदार एवं संगठन प्रभारी निर्मल मेहता की मेहनत के परिणाम स्वरुप ही कांग्रेस को इतनी बडी जीत मिली है। जबकि भाजपा की और से दतीगांव के समर्थन में दो केन्द्रिय मंत्री ने तीन सभा की गयी थी। जबकि कांग्रेस में केवल शेखावत एवं जिलाध्यक्ष ने ही जीत की रणनीती बनायी गयी। जनता ने दिए जनादेश का स्वीकार करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमलकिशोर पाटीदार ने जनता का आभार माना।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमलकिशोर पाटीदार एवं निर्मल मेहता एवं कांग्रेस प्रत्याशी भंवरसिंह शेखावत ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बनायी चुनावी रणनीती की बदौलत भाजपा को बुरी हार का सामना कराया। जबकि भाजपा की और से दतीगांव के समर्थन में केन्द्रिय ग्रहमंत्री अमित शाह ने एक एवं उडययन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दो सभाएं की थी। दतीगांव के लिए जेसीबी डंपर एवं शराबकांड में बनाए आरोपी कंवरलाल पाटीदार का मुद्दा काफी नुकसान दायक रहा।

शेखावत की जीत पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया-

कांग्रेस प्रत्याशी भंवरसिंह शेखावत की 2900 से अधिक मतों जीत की खबर मिली कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड गयीं। बस स्टेंड पर जमकर आतिशबाजी की गयीं। चारों और खुशी की लहर दौड गयीं। कार्यकर्ता हाथ में कांग्रेस का झंडा लेकर सडकों पर निकल गए। कार्यकर्ताओं ने एक दुसरें के गले लग कर जीत की बधाईयां दी गयी। जीत पर कार्यकर्ता नगर में कांग्रेस का झंडा लेकर निकल पडे थे। बाबूजी राम राम से माहोल गर्मा गया। बाइक रैली के रुप में कार्यकर्ता नगर में घुमते रहे। कार्यकर्ताओं ने अबकी बार मइजी पार एवं कांग्रेस जिंदाबाद के नारे लगाए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष पाटीदार ने मतदाताओं का आभार माना-

कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमलकिशोर पाटीदार ने धार जिले के मतदाताओं का आभार मानते हुए कहा जनता का जनादेश सर्वोपरी है। धार जिले में 7 में से 5 सीटे जीत है। जो कांग्रेस के प्रति मतदाताओं का आर्शिवाद है। जनता ने कांग्रेस पर जो भरोसा किया है उस पर कांग्रेस पार्टी काम करेगी। बदनावर, कुक्षी, गंधवानी, मनावर, सरदारपुर क्षेत्र के मतदाताओं ने कांग्रेस के प्रति विश्वास दिखाया उनका हम आभारी है। धार एवम धर्मपुरी में हम कडे मुकाबले के बावजुद अवश्य पिछड गए। हम इसकी समीक्षा करेगें

ईमानदारी और निष्ठा के साथ राजनीति की जाए, तो जनता सर आंखों पर बिठाती है - विधायक चेतन्य काश्यप

रतलाम । विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद नवनिर्वाचित विधायक चेतन्य काश्यप का विजय जुलूस के साथ देर शाम वीसाजी मेंशन पहुंचकर मातुश्री श्रीमती तेजकुंवर बाई काश्यप का आशीर्वाद लिया। पोते सारांश काश्यप ने ढोल बजाकर स्वागत किया। इसके बाद परिवारजनों ने नृत्य, संगीत और जोरदार आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया। श्री काश्यप ने धन्यवाद सभा में उपस्थित कार्यकर्ताओं को जीत का श्रेय देते हुए आत्मीय आभार माना।

उन्होने कहा कि दीपावली मिलन समारोह मैंने कहा था कि आज के समय में दुनिया में विश्वास का संकट है। व्यक्ति किस पर भरोसा करें 7 ईमानदारी और निष्ठा के साथ मेने राजनीति में कदम रखा है, यदि आपका आशीर्वाद मिला, तो देश में संदेश जाएगा कि ऐसी राजनीति की जाए, तो जनता सर आंखों पर बिठाती है और रतलाम वासियों ने ये कर दिखाया है। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने नया इतिहास बनाया है। इस जीत के असली शिल्पकार पार्टी के कार्यकर्ता है। जिनकी निष्ठा और समर्पण भाव को मैं नमन करता हूँ, जिसके चलते प्रचंड जीत मिली है।

मतगणना स्थल पर रही बेहतर व्यवस्था

छतरपुर,। विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना 3 दिसम्बर को शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय क्र. 01 छतरपुर में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न रही। जिला निर्वाचन संदीप संदीप जी.आर. के निर्देशानुसार मतगणना सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए बेहतर व्यवस्था की गई थी। इनमें स्ट्रांग रूम से ईव्हीएम लाने व मतगणना कर्मचारियों को मतगणना कक्ष में पहुंचने के लिए अलग मार्ग बनाये गये थे। पथ प्रदर्शन के लिए चिन्ह बनाकर अलग-अलग रंगों में चिह्नित किया गया था। इसी तरह राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों तथा अभिकर्ता के प्रवेश के लिए अलग मार्ग बनाये गये थे। मतगणना स्थल पेयजल, कैन्टीन के बेहतर इंतजाम किये गये थे। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देशानुसार मतगणना स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। मतगणना स्थल पर सुविधा युक्त मीडिया सेंटर बनाया गया था, जिसमें बैठने के लिए अच्छी बैठक व्यवस्था और एक बड़ी एलईडी तथा कम्प्यूटर, प्रिंटर और इंटरनेट की बेहतर व्यवस्था की गई थी।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. पुलिस अमित सांघी, उप जिला निर्वाचन नमः शिवाय अरजरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह मतगणना के दौरान लगातार मतगणना कक्षों का निरीक्षण करते रहे। मतगणना स्थल पर पर्यावरण की दृष्टि से टेराकोटा के मटकों शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया था।

जैन समाज का पंचकल्याणक महोत्सव

इटारसी जैन समाज द्वारा शहर में पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, 6 दिन चलने वाले इस पंचकल्याणक महोत्सव के प्रथम दिन घट यात्रा निकाली निकल गई। सोमवार की प्रातः श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर से घट यात्रा प्रारंभ हुई ,जिसमे महिला वर्ग केसरिया वस्त्र में अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थी तो वहीं पुरुष वर्ग स्वेत वस्त्र में बहुत भक्ति भाव के साथ कंधे पर भगवान जी की पालकी को लेकर चल रहा था। शोभायात्रा में मुनि श्री निर्णय सागर एवं छुल्लक श्री सुधीर सागर चल रहे थे द्य जैन समाज के युवा बच्चों द्वारा संचालित दिव्य घोष की मधुर ध्वनि पर लोग भक्ति भाव के साथ थिरक रहे थे शोभायात्रा की प्रमुखता यह रही कि जहां वास्तविक श्याम कलर के गजराज पर पंचकल्याणक के प्रमुख पात्र सो धर्म इंद्र एवं राजा नाभिराय भगवान के पिता विराजमान थे तो वही श्वेत हाथी पर महापात्रा कुबेर एवं महायज्ञानायक विराजमान थेद्य शोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई पंचकल्याणक स्थल ग्रैंड एवेन्यू कॉलोनी स्थित महावीर जिनालय प्रांगण में पहुंची द्य जहां श्री जी को विराजमान किया गया एवं सभी सामाजिक माता एवं बहनों ने प्रमुख पात्रों के साथ पूर्ण भक्ति भाव के साथ यद्यज्ञ मंडल विधान, विश्व शांति के लिए संपन्न कियाद्य प्रथम दिन की महा आरती का सौभाग्य श्रीमती रचना प्रशांत जैन वर्धमान कॉलेज परिवार को प्राप्त हुआ द्य महा आरती पुनद्यर्जक परिवार गजराज पर बैठकर कार्यस्थल पर पहुंचे यहां प्रभु की आरती संपन्न हुई द्य रात्री में भगवान के माता-पिता राजा नाभीराय एवं रानी मरु देवी का दरबार सजा द्य जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया द्य इस पंचकल्याणक में बनने वाले नवीन मंदिर श्री महावीर जिनालय के मूल नायक की मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमान सुभाष जी श्रीमती प्रभा जैन परिवार को प्राप्त हुआ वही विधि नायक भगवान आदिनाथ की मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमान राहुल मांगीलाल जैन वर्धमान मेडिकल वालों को प्राप्त हुआ एवं शांतिनाथ भगवान की मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य श्री राजकुमार जैन सूरज गंज वालों को प्राप्त हुआ इसके साथ ही श्री आदिनाथ जिला में विराजमान होने वाली भगवान मल्लिनाथ की मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती सुषमा नरेंद्र कुमार जी सिंघई को प्राप्त हुआ द्य पाषाण से भगवान बनने की इस प्रक्रिया को जबलपुर से पधारे बाल ब्रह्मचारी प्रदीप पीयूष भैया एवं भोपाल से पधारे बाल ब्रह्मचारी भैया सुमित जी के द्वारा संपन्न किया जा रहा हैद्य कार्यक्रमों की संख्या में कल इटारसी शहर में बनने वाले विशाल मान स्तंभ की शुद्धि वर्धमान कॉलेज परिसर में होगी एवं श्री आदिनाथ जिनालय की विशाल भव्य वेदी की शुद्धि का कार्यक्रम कावेरी स्टेट जैन मंदिर में होगा कार्यक्रम सुबह 10 बजे शोभायात्रा के रूप में प्रारंभ होगा द्य

छतरपुर नगर के युवा कवि नीतेंद्र सिंह परमार भारत को जनचेतना साहित्य प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया

लखनऊ, विश्व विद्यालय द्वितीय परिसर के ज्यूरियस हॉल, प्रशासनिक भवन में विश्व जन चेतना ट्रस्ट भारत का पाँचवाँ वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह विगत 30 नवम्बर को प्रातः 11ः00 बजे से आ. सुशीला धस्माना %मुस्कान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें विभिन्न प्रांतों से आए 28 कवियों, कवियित्री को शाल , शील्ड, आमंत्रण-पत्र, सम्मान-पत्र, देकर

सम्मानित किया गया। समारोह में आ. राहुल शुक्ल साहिल, राजेश मिश्र %प्रयास% डॉ. शरद श्रीवास्तव शरद, आ. गीतांजलि वार्ष्णेय %सूर्यांजलि% इंजी.हेमन्त कुमार सिंघई, आ. शैलबाला कुमारी के प्रतिनिधि जे. आर. सैनी को स्मृति सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया। वहीं आ. नीतेन्द्र कुमार सिंह परमार %भारत%, पं. सुमित शर्मा पीयूष आ. ओम प्रकाश फुलारा %प्रफुल्ल% को साहित्य प्रेरणा सम्मान- 2023 से गौरवान्वित किया गया। आ. शरद कुमार श्रीवास्तव %शरद% जी को राष्ट्रीय प्रवक्ता, आ. सुशीला धस्माना मुस्कान राष्ट्रीय अध्यक्ष संरक्षक मण्डल, आ. संतोष कुमार %प्रीत% को राष्ट्रीय अध्यक्ष, आ. नीतेंद्र सिंह परमार भारत को राष्ट्रीय कार्यक्रम संचालक नियुक्त करते हुए सभी को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए। आ. दिनेश अवस्थी जी को शब्द रत्न पुरस्कार -2023 से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि आ. बंशीधर सिंह विभागाध्यक्ष विधि संकाय लखनऊ विश्व विद्यालय , विशिष्ट अतिथि आ. अमृत बिसारिया(दुबई), संचालन डॉ. शरद कुमार श्रीवास्तव जी ने किया।

द्वितीय सत्र भोजनावकाश के बाद में प्रारम्भ हुआ जिसमें पं. सुमित शर्मा %पीयूष%ने ÷सच बात मेरे मन की सुनाता हूँ लाड़ली, बताता हूँ लाड़ली ÷, संतोष कुमार %प्रीत% ने ÷अक्षरों का ले सहारा, हृदय का उदगार लिखना ÷, गीता गंगवार ने ÷हार हो सामने वीर हटते नहीं, दूर हो लक्ष्य कर्मठ थकते नहीं ÷, सुशीला धस्माना %मुस्कान% ने ÷धरा राम की है उन्ही की रहेगी, ध्वजा राम की देखो छूती शिखर है ÷, नीतेंद्र परमार भारत ने द्वितीय सत्र का संचालन करते हुए ÷बढ़ रहीं कुछ खास नस्लें, अब हमारे देश में ÷, राजेश मिश्र प्रयास ने ÷अटल विश्वास सा सहचर कोई अभिराम आ जाता ÷, तीर्थ देव शर्मा %सरल%ने ÷श्रीराम प्रभु की महिमा, सब जानते हैं जानेगें, सीता माँ की त्याग लीला, को कैसे पहचानेंगे ÷,

ओम प्रकाश फुलारा %प्रफुल्ल% ने ÷मुर्दो को पदवी मिलती है÷, ब्रजमोहन श्रीवास्तव %साक्षी% ने ÷ प्रेम ही प्यार का एक सन्देश है, प्रेम ही धर्म ग्रंथो का उपदेश है ÷, अमृत बिसारिया जी ने÷स्वाद को स्वाद आए थोड़ा नजाकत से ÷, डॉ. शरद कुमार श्रीवास्तव ने ÷जिंदगी तो मुस्कराना चाहती है ÷, प्रसन्नबदन चतुर्वेदी ने ÷पत्थर हुआ इंसान, अब इंसानियत दिखती नहीं ÷अरविन्द कुमार मिश्रा ने निर्वस्त्र बनाकर नारी को, खुले गीधजन घुमा रहे हैं ÷ राहुल शुक्ल %साहिल% ने ÷दिल भी खुशनुमा रात रंगीन है ÷डॉ. आलोक कुमार यादव ने ÷चलो फिर गैर से रिश्ता निभाकर देख लेते हैं ÷, कंचन सिंह परिहार ने ÷हरि बिनु कौन यहाँ प्रभु तेरा ÷निशा श्रीवास्तव ने ÷प्रेम नहीं आसां होता है, पूछे कोई मीरा से ÷रोहित मिश्रा ने ÷हिन्दोस्ता हमारा, हिन्दोस्ता हमारा ÷अभिलेखा श्रीवास्तव ने ÷दीवारों से मिलकर रोना अच्छा लगता है ÷,आयोजक मण्डल के डॉ. आलोक कुमार यादव, गीता गंगवार, एडवोकेट संजय सिन्हा, बशीधर सिंह विभागध्यक्ष विधि संकाय को नीतेन्द्र सिंह परमार %भारत% ने मध्य प्रदेश के खजुराहो मंदिर के प्रतीक देकर सम्मानित करने का काम किया।

इस अवसर पर लखनऊ व बाहर से आए काफ़ी संख्या में काव्यानुरागिओं ने सम्मिलित होकर काव्य रस का आनंद लिया।

हार के बाद बुझे हुए चेहरों के साथ कांग्रेस का मंथन

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में करारी हार मिलने के बाद कांग्रेस अब परिणामों की समीक्षा मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने सभी निर्वाचित और हारे हुए प्रत्याशियों की बैठक बुलाई और हार पर मंथन किया। जीते हुए विधायकों से लेकर हारे हुए उम्मीदवारों के चेहरे बुझे हुए दिख रहे थे। हार की निराशा सभी नेताओं के चेहरों पर साफ नजर आ रही थी। हालांकि कोई खुलकर कुछ नहीं बोला, लेकिन सभी गंभीर नजर आए।

पूर्व ऊर्जा मंत्री और खिलचीपुर से प्रत्याशी प्रियव्रत सिंह ने कहा कि हमें आत्म चिंतन करने की जरूरत है कि आखिर जनता ने क्यों नकारा। हमें अपनी रणनीति और दिशा पर भी विचार करना होगा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी यह देखना होगा क्योंकि तीन माह बाद दूसरा चुनाव है। प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन पर उन्होंने कहा कि हमें अपनी दिशा पर नए से विचार करना होगा। कालापीपल से कांग्रेस प्रत्याशी कुणाल चौधरी ने कहा कि परिणाम से न केवल हमें बल्कि जनता को भी निराशा हुई है। डाक मतपत्र से जाहिर है कि हमें बड़ा समर्थन मिला है। जबलपुर जिले से जीते कांग्रेस के एकमात्र नेता लखन घनघोरिया ने कहा कि प्रशासन ने चुनाव लड़ा है। कहीं न कहीं गड़बड़ी हुई है। हम विस्तार से समीक्षा कर रहे हैं, उसके बाद आगामी निर्णय करेंगे। पूर्व मंत्री और सिहावल से पार्टी प्रत्याशी कमलेश्वर पटेल कहा कि इस चुनाव में षड्यंत्र हुआ है कर्मचारियों को उनका मत डालने नहीं दिया गया। मतदान से पूर्व किसान सम्मन निधि की राशि केंद्र सरकार ने खातों में डाली।

सागर भाटिया पेश कर रहे है अपनी नई पेशकश मेरा इश्क

मुंबई। आज के युवा और प्रतिभा के धनी सागर भाटिया पेश कर रहे है अपनी नई पेशकश मेरा इश्क जो दिलों को झकझोर देने वाले राग से भरी है। यह कव्वाली के सार को एक नया आयाम देती है। कई जज्बातों में पिरोई यह रचना पारंपरिक संगीत की सीमाओं को पार करते हुए, श्रोताओं को भावनाओं की सिम्फनी भरे समुद्र में प्रेम और भक्ति की गहराई तक पहुंचाती है। अपनी नई रिलीज के बारे में भावुक होकर बात करते हुए सागर ने कहा कव्वाली सिर्फ संगीत नहीं है यह एक महान कला है। कव्वाली करने का मेरा तरीका थोड़ा अलग और बहुत अनोखा है। मेरा इश्क मेरी पहली कव्वाली है जिसे मैंने खुद लिखा था और अब यह मेरी रिलीज होने वाली पहली कव्वाली भी है।

क्रॉस लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी जमा किया

मुंबई एजेंसी। क्रॉस लिमिटेड, जो की एक डाइवर्सिफाइड कंपनी है जो ट्रेलर एक्सल और सस्पेंशन असेंबली तथा मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों और कृषि उपकरण के लिए सटीक मशीनीकृत उच्च प्रदर्शन वाली सेफ्टी क्रिटिकल पार्ट्स की एक विस्तृत श्रृंखला के मैन्यूफैक्चरिंग और सप्लाई पर फोकस्ड है, ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से राशि जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक, सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा किया है। डीआरएचपी के अनुसार, जमशेदपुर स्थित कंपनी की 500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के तहत 250 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे तथा प्रमोटर शेयरधारकों द्वारा 250 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर्स ऑफर फॉर सेल में शामिल है, जिसमे सुधीर राय के 168 करोड़ रुपये तक के शेयर्स और अनीता राय के 82 करोड़ रुपये तक के शेयर्स शामिल है।

क्लैट 2024 परीक्षा आसान से मध्यम रही

भोपाल। क्लैट 2024 में 120 प्रश्नों के साथ एक अद्यतन परीक्षा पैटर्न था और संशोधित पेपर पैटर्न ने अनिश्चितता के बादल पैदा कर दिए थे, हालांकि, सभी की उम्मीदों के विपरीत क्लैट 2024 का पेपर आसान से मध्यम था। 105 से अधिक प्रयासों की एक अच्छी संख्या है और शीर्ष 3 राष्ट्रीय लॉ स्कूलों के लिए 90 से अधिक एक अच्छा स्कोर है। अनुभागीय विश्लेषण की बात करें तो अंग्रेज़ी अनुभाग आसान था। प्रश्न साहित्य-आधारित और मुद्दे से संबंधित थे और इन्हें समाप्त करके हल किया जा सकता था। कोई शब्दावली प्रश्न नहीं थे। सामान्य ज्ञान सेक्शन आसान था और अधिकांश प्रश्न पेसेज पर आधारित थे।

अमृतांजन कॉम्फी ने शुरू की अधिक शहरों में मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता की पहल

मुंबई एजेंसी। कॉम्फी स्नग फिट, अमृतांजन हेल्थ केयर का एक तेजी से बढ़ता मासिक धर्म स्वच्छता ब्रांड है। कंपनी, भारत के 1,450 शहरों में 4.5 लाख युवतियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक कर चुकी है और अब तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, झारखंड और उत्तर प्रदेश के 360 शहरों में इस पहल को शुरू कर रही है ताकि प्रोजेक्ट दिशा पहल के अगले चरण के हिस्से के रूप में भारत के इन चार राज्यों में अन्य 2.5 लाख छात्राओं में जागरूकता बढ़ाई जा सके। तीसरे चरण के अंत में, अनुमान है कि प्रोजेक्ट दिशा ने देश भर के 1,800 से अधिक शहरों में 7 लाख लड़कियों के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। अभियान के अंग के रूप में, कंपनी ने अपने सेनेटरी पैड - कॉम्फी का भी वितरण किया।

तीनों राज्यों का चुनाव परिणाम एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में किसे मिली कितनी सीटें और कितना रहा प्रतिशत वोट, जानिए तीनों राज्यों का रिजल्ट

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी की प्रचंड बहुमत से जीत हुई है। मध्य प्रदेश में बीजेपी सरकार की वापसी हुई है। वहीं बीजेपी ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ से सत्ता से कांग्रेस को बेदखल किया है। तीनों राज्यों की 519 विधानसभा सीटों पर चुनाव में बीजेपी ने 332 पर जीत का परचम लहराया हैं। कांग्रेस ने 170 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके साथ ही 17 सीटें स्वतंत्र प्रत्याशियों समेत अन्य के खाते में गई हैं। केवल राजस्थान में 8 निर्दलीय प्रत्याशी ही सफल हो पाए है। अब हम जानेंगे तीनों राज्यों में वोट प्रतिशत क्या रहा।

मध्य प्रदेश में वोट प्रतिशत

सबसे पहले बात मध्य प्रदेश की करेंगे जहां 230 में 163 सीटों पर बीजेपी का कमल खिला है। बीजेपी की झोली में 54 सीटें ज्यादा गई है। इसके साथ ही बीजेपी का वोट प्रतिशत 48.55प्रतिशत रहा है। जो इस बार 7.53प्रतिशत ज्यादा रहा। पूरे राज्य में बीजेपी ने 48.55 प्रतिशत यानी 2.11 करोड़ वोट हासिल किए, जो 2018 के 41.02प्रतिशत के मुकाबले 7.53प्रतिशत ज्यादा हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस के वोट प्रतिशत की बात करें तो उसमें 0.49प्रतिशत की गिरावट आई है। बीजेपी को मिले ज्यादा वोटों और इस आंशिक गिरावट की ही वजह से कांग्रेस की सीटें घटकर 66 रह गई। कांग्रेस को 40.40प्रतिशत यानी 1.75 करोड़ वोट मिले। पिछले चुनावों के मुकाबले कांग्रेस को मिले वोट बढ़े ही हैं। कम नहीं हुए हैं। एमपी में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 0.49प्रतिशत लेकिन 48 सीटें घट गई। कांग्रेस ने एमपी में 66 सीटों पर जीत दर्ज की है।

वहीं अन्य दलों की बाते करें तो बसपा का वोट प्रतिशत 3.40 रहा। लेकिन पार्टी 2 से घटकर 0 पहुंच गई। साथ ही 1.61 प्रतिशत वोट भी घट गए। इसी तरह समाजवादी पार्टी ने अपनी भी एक मात्र सीट खो दी। सपा का वोट प्रतिशत 0.46प्रतिशत रहा। जो घटकर 0.84प्रतिशत हो गया। वहीं आम आदमी पार्टी भी कुछ कमाल नहीं दिखा पाई। इस चुनाव में उसका वोट प्रतिशत 0.54प्रतिशत रहा। जो घटकर 0.12 प्रतिशत हो गया। इस चुनाव में अन्य का वोट प्रतिशत 6.65 रहा। जो कम होकर 4.47प्रतिशत हो गया। मध्य प्रदेश में भारत आदिवासी पार्टी को एक सीट पर जीत मिली है। रतलाम के सैलाना में ब्लैक के कमलेश्वर डोडियार चुनाव जीतकर आए हैं। 2018 में वे निर्दलीय चुनाव लड़े थे। उनके अलावा न तो कोई निर्दलीय चुनाव जीता और न ही किसी छोटी पार्टी को एक भी सीट नसीब हुई। कमलेश्वर डोडियार का 11.1प्रतिशत वोट मिले। बता दे कि 17 नवंबर को मध्य प्रदेश की 230 सीटों पर मतदान हुआ था। मध्य प्रदेश में इस बार रिकॉर्ड 76.22 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

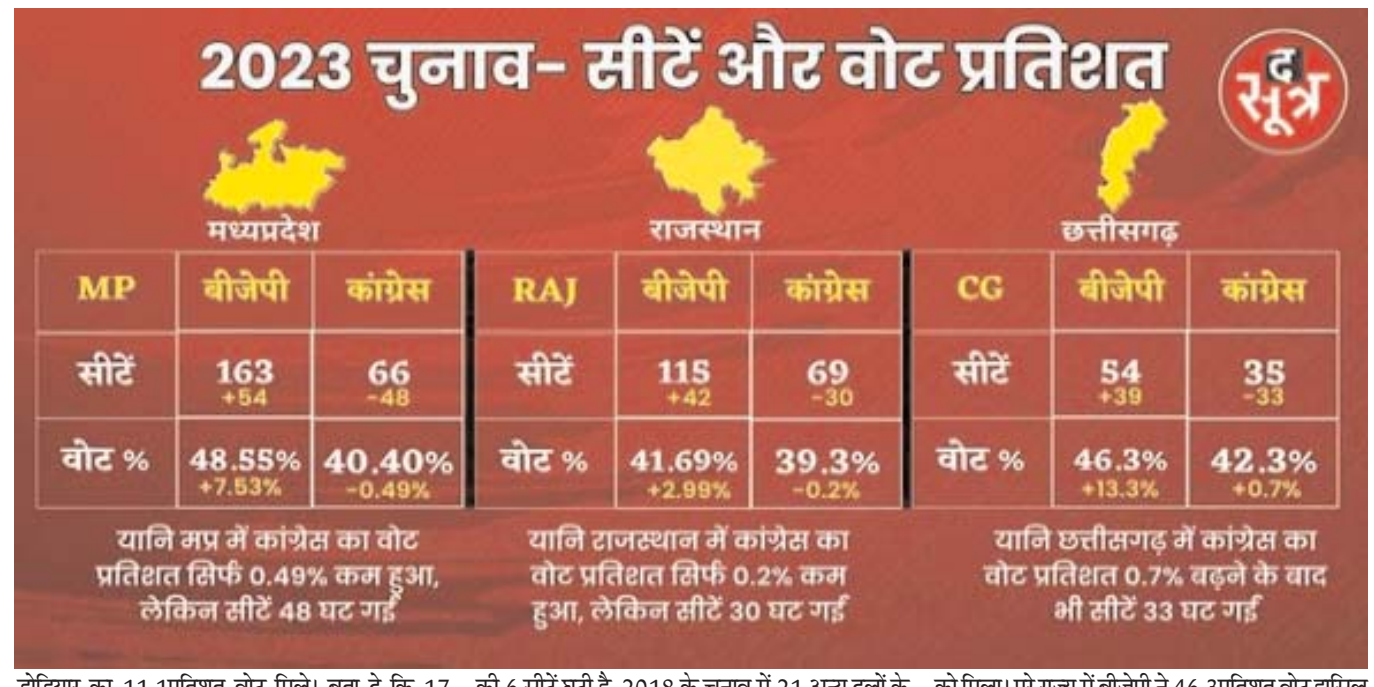

राजस्थान में वोट प्रतिशत

अब बात राजस्थान की ... जहां 5 साल में सरकार बदलने के रिवाज के तहत बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की है। बीजेपी ने प्रदेश की 199 में से 115 सीटों पर जीत हासिल की हैं। इसके साथ ही बीजेपी की 42 सीटें बढ़ गई है। इसके साथ ही बीजेपी का वोट प्रतिशत 41.69प्रतिशत रहा है। जो इस बार 2.99प्रतिशत ज्यादा रहा।

दूसरी ओर कांग्रेस के वोट प्रतिशत की बात करें तो सिर्फ 0.2प्रतिशत की गिरावट आई है। बीजेपी को मिले ज्यादा वोटों और इस आंशिक गिरावट की ही वजह से कांग्रेस की सीटें घटकर 69 रह गई। इस चुनाव में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 39.3प्रतिशत रहा। यानि राजस्थान में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 0.2प्रतिशत हुआ लेकिन 30 सीटें घट गई।

वहीं राजस्थान में 15 अन्य प्रत्याशी जीत कर आए हैं। जिनका वोट प्रतिशत 18.8प्रतिशत रहा। इस चुनाव में अन्य की 6 सीटें घटी है, 2018 के चुनाव में 21 अन्य दलों के कैंडिडेट जीत कर आए थे। इस बार 8 निर्दलीय समेत 15 अन्य विधायक बनने में सफल हुए हैं। भारत आदिवासी पार्टी को 3 सीटें, बहुजन समाज पार्टी को 2 सीटें, राष्ट्रीय लोक दल और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 1-1 सीट मिली है, वहीं निर्दलीय को 8 सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2.4 प्रतिशत, बीएसपी को 1.8 प्रतिशत और नोटा को 0.96 प्रतिशत वोट मिले। वहीं करणपुर सीट पर एक प्रत्याशी के निधन के कारण इस बार राजस्थान में 199 सीटों पर चुनाव हुए है।

छत्तीसगढ़ में वोट प्रतिशत

छत्तीसगढ़ में भी बीजेपी की जीत का डंका बजा है। यहां बीजेपी ने 90 में से 54 सीटें जीतकर कांग्रेस को सत्ता से अलग कर दिया है। छत्तीसगढ़ में बीजेपी का वोट शेयर बढ़कर 46.3 प्रतिशत हुआ है। 2018 में बुरी तरह हारने वाली बीजेपी को इस चुनाव में 40 सीटें का फायदा हुआ है। पिछले चुनाव में बीजेपी 14 सीट ही जीत सकी थी। लेकिन इस चुनाव में सीटों और वोट प्रतिशत में बंपर इजाफा देखने को मिला। पूरे राज्य में बीजेपी ने 46.3प्रतिशत वोट हासिल किए, जो 2018 के मुकाबले 13.3प्रतिशत ज्यादा हैं।

कांग्रेस की बात करें उसे छत्तीसगढ़ में हार का सामना करना पड़ा लेकिन वोट प्रतिशत को नुकसान नहीं हुआ। इस बार कांग्रेस वोट प्रतिशत 42.3 रहा। जो पिछले बार के मुकाबले 0.7 ज्यादा रहा। वोट शेयर तो बढ़ा लेकिन कांग्रेस को 33 सीटों का नुकसान हुआ। इस चुनाव में भूपेश बघेल की इमेज को नुकसान नहीं हुआ। भूपेश ने अपनी छवि बचाने में कामयाबी हासिल की। वो पाटन सीट से 19 हजार 723 वोट के अंतर से जीते। वहीं भूपेश के कई मंत्री चुनाव हार गए। कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में 71 सीटों पर जीत दर्ज की लेकिन इस घटकर 35 रह गई।

अन्य की बात करें तो केवलगोंड वाना गणतंत्र पार्टी की एक सीट पर जीत हुई है। पाली तानाखार सीट से गोंगपा के तुलेश्वर सिंह मरकाम की जीत हुई है। जिनका वोट प्रतिशत 11.5 प्रतिशत रहा। पिछले चुनाव में अन्य के खाते में 5 सीटें गई थी। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में (7 नवंबर 17 नवंबर) मतदान हुआ था।

नोटा के कारण हार जीत पर पड़ता है असर

छिंदवाड़ा। चुनाव में नोटा को मिले वोट प्रत्याशियों की हार जीत में नहीं जुड़ते किन्तु नोटा को वोट मिलते है, नोटा की बटन सबसे नीचे रहती है। जो पहले नम्बर का प्रत्याशी रहता है, इसको नोटा का नुकसान क्योकि कभी कभी विरोधी यह बताता है नीचे से पहले नम्बर की बटन है उसे दबाना। नोटा के कारण कम वोट से हारने वाले प्रत्याशी को नुकसान होता है। बताया जाता है कि नोटा के वोट उन लोगों के होते है जो वृद्ध मतदाता है उन्हें दिखता कम है, और अकेले मतदान करते है तो उन्हें घबराहट भी होती है, इसीलिए कहीं पर भी बटन दबा देते है, जिसके कारण नोटा को वोट मिलते है। वैसे चुनाव आयोग को नोटा खत्म कर देना चाहिये क्योकि संविधान में वोट डालना सबका अधिकार है। इसीलिए किसी न किसी प्रत्याशी को वोट डालना ही चाहिये, क्योकि वोट डालना भी मतदाताओं का कर्तव्य है। इस पर देश में बहस होना चाहिये और नोटा को खत्म किया जाना चाहिये।

नोटा में मिले वोट

जुन्नारदेव में -	5086,
चौरई में -	2077,
परासिया में-	3044,
अमरवाड़ा में-	5003,
सौंसर में-	2422,
पांढुर्ना में-	3266,
छिंदवाड़ा में=	1741

मेघासिवनी में विशाल अहीरी नृत्य प्रतियोगिता एवं मड़ई मेला आज

छिंदवाड़ा। ग्राम पंचायत मेघासिवनी में आज दिनांक 05 दिसंबर दिन मंगलवार को विशाल अहीरी नृत्य प्रतियोगिता एवं मेले का आयोजन किया गया है। उक्ताशय की जानकारी ग्राम के नितिन डेहरिया ने देते हुये बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, उपाध्यक्ष जिला पंचायत अमित सक्सेना, नगर पालिक निगम महापौर विक्रम आहके विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे । उनहोनें बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम पुरूस्कार 11 हजार रूपये, द्वितीय पुरूस्कार 8100 रूपये, तृतीय पुरूस्कार 5100 रूपये, चतुर्थ पुरूस्कार 4100 रूपये, पंचम पुरूस्कार 3100 रूपये, छटवॉ पुरूस्कार 2551 रूपये, सातवॉ 2100 रूपये, आठवॉ 1551 रूपये, नौवा 1151 एवं दसवां पुरूस्कार 1001 रूपये का रखा गया है। उन्होनें समस्त मंडलों एवं जिलेवासियों से इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

सिद्धचक्र विधान की खुशी में भक्ति संध्या आज

छिंदवाड़ा। 1008 तीर्थंकर महावीर भगवान के 2550 वें निर्वाण महोत्सव वर्ष की खुशी में श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मंडल, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन एवं श्रीमती चम्पादेवी जुगराजजी जैन बाबाजी परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 25 दिसंबर से 1 जनवरी तक गोल गंज स्थित वीतराग भवन में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आठ दिवसीय भव्य आयोजन किया जाना है। फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया की महोत्सव को लेकर जोरदार तैयारी प्रारंभ हैं जिसकी खुशी में आज मंगलवार 5 दिसंबर को रात्रि 8 बजे से अनिलकुमार, अमितकुमार बब्बल, आध्यात्म जैन के निज निवास गीता नगर रोड गुलाबरा में आध्यात्मिक भक्ति संध्या मंगलगान सहित विधान के मुख्य पत्र इंद्र-इंद्राणियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया है जिसमे सकल जैन समाज के समस्त जिनशासन सेवकों सहित समस्त आत्मीय स्वजन सादर आमंत्रित हैं।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर 6 को

छिन्दवाड़ा/ जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम के अध्यक्ष एवं म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जिले में वृत्त/जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम द्वारा 6 दिसंबर को प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे तक प्रशासनिक भवन खजरी रोड छिन्दवाड़ा में जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में विद्युत अधिनियम की धारा 126, 135, 138 व 161 के अंतर्गत पंजीबध्द प्रकरणों को छोड़कर उपभोक्ताओं की अन्य शिकायतों का निराकरण किया जायेगा। जिले के विद्युत उपभोक्ता अपनी शिकायत का निराकरण करवा सकते हैं।

एक आवेदक को निर्धारित समय सीमा में अपेक्षित सेवा प्रदाय नहीं करने पर पदाभिहित अधिकारी के विरूध्द शास्ति अधिरोपित

छिन्दवाड़ा। म.प्र.लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम 2010 के अंतर्गत कलेक्टर एवं व्दितीय अपीलीय अधिकारी मनोज पुष्प द्वारा एक आवेदक को निर्धारित समय सीमा में अपेक्षित सेवा प्रदाय नहीं करने और आवेदक का आवेदन पत्र पोर्टल पर समय सीमा बाह्य प्रदर्शित होने पर अधिनियम की धारा 7 (एक)(ख) के अंतर्गत पदाभिहित अधिकारी एवं नायब तहसीलदार चौरई राजेन्द्र सिंह तेकाम पर 750 रूपये की शास्ति अधिरोपित की गई है और अधिरोपित शास्ति राशि पदाभिहित अधिकारी से वसूल की जाकर जिले की तहसील चौरई के ग्राम समसवाड़ा के संबंधित आवेदक श्री रितेश नागवंशी को भुगतान कराये जाने के आदेश पारित किये गये हैं । उन्होंने अर्थदण्ड की राशि पदाभिहित अधिकारी एवं नायब तहसीलदार चौरई तेकाम के आगामी माह के वेतन से कटौती कर निर्धारित मद में चालान से राशि जमा कराई जाकर चालान की प्रति व्दितीय अपीलीय प्राधिकारी को उपलब्ध कराई जाना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं। कलेक्टर एवं व्दितीय अपीलीय अधिकारी श्री पुष्प ने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत योजना विभाग की सेवाओं में अधिसूचित सेवा 18.3-जन्म के एक वर्ष के पश्चात पंजीयन के लिये अनुमति के लिये जिले की तहसील चौरई के ग्राम समसवाड़ा के आवेदक श्री रितेश नागवंशी द्वारा 24 जुलाई 2023 को अपेक्षित सेवा प्रदाय के लिये ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसका पदाभिहित अधिकारी एवं नायब तहसीलदार चौरई श्री तेकाम द्वारा समय सीमा में निराकरण नहीं किये जाने पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन mpedistrict.gov.in पोर्टल पर समय सीमा बाह्य प्रदर्शित होने पर पदाभिहित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया जिसके परिप्रेक्ष्य में पदाभिहित अधिकारी ने सूचित किया है कि इस प्रकरण का समय सीमा में ऑफलाईन निराकरण कर दिया गया था, किन्तु त्रुटिवश ऑनलाईन निराकरण नहीं हो पाया था जिससे आवेदन के निराकरण में बिलंब हुआ है । पदाभिहित अधिकारी द्वारा प्रस्तुत जवाब का ऑनलाईन परीक्षण करने पर पाया गया कि आवेदक को निर्धारित समयावधि 14 अगस्त 2023 के बाद 17 अगस्त 2023 को सेवा प्रदाय कर ऑनलाईन निराकरण किया गया है जो कि 3 दिन बिलंब से है ।

मानव खोपड़ी मिलने से मचा हड़कंप पुलिस जांच में जुटी

रेलवे स्टेशन के पास मिला सिर, कुछ दूरी पर मिला पैर

छिंदवाड़ा। रेल्वे स्टेशन से महज 50 मीटर की दूरी पर सुबह नाले में शव मिलने से हड़कंप मच गया सूचना मिलने पर आरपीएफ पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंच गई सिर को आरपीएफ ने जब्त कर लिया है। जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा। कि यह मानव खोपड़ी कितनी पुरानी है। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन से महज कुछ दूरी पर सुक्लूढाना के समीप रेलवे ट्रेक से लगे नाले में एक मानव की खोपड़ी पड़ी हुई थी सूचना मिलने पर आसपास के लोगों का जमावड़ा लग गया। आरपीएफ पुलिस मौके पर पहुंच गई पुलिस ने तत्काल एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया मानव खोपड़ी को जब्त कर लिया गया है। जांच के बाद ही सामने आएगा कि मानव खोपड़ी कितनी दिनों पुरानी है वहीं जांच के दौराना पाया गया कि खोपड़ी से थोड़ी दूर मानव के पैर की हड्डी मिली है। जिसमें बकायदा उसकी अन्डर वियर और जींस पैंट फंसा हुआ है। हड्डी पर लगा हुआ मांस और खून के धब्बे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि कुत्तों ने पैर के मांस को लोंचकर खा लिया है हालाकि एफएसएल टीम ने पैर की हड्डी भी जब्त की है। प्रथम दृष्टया यह मानव खोपड़ी और पैर की हड्डी है। जांच के लिए फारेंसिक लैब पहुंचाया जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर कुछ कहा जा सकता है।

कचरे में पड़ी थी खोपड़ी

आसपास के प्रत्यक्ष दर्शियों की मानें तो उन्हें सुबह रेलवे ट्रेक के समीप कचरे में पड़ा हुआ देखा था। कुत्ते खोपड़ी को नोंच नोंच कर खा रहे थे। अंदाजा लगाया जा सकता है। शायद कुत्ते मानव खोपड़ी लेकर भाग रहे थे। इसी दौरान नाला क्रास करते समय खोपड़ी नाले में गिर गई।

बहकर आया आधा अधूरा शव

बताया जाता है कि चार दिन पूर्व मूसलाधार बारिश में यह शव बहकर आया होगा ज्यादा दिनों तक पानी में रहने से शव पूरी तरह गल गया था क्षत बिछत होकर शव अंग भंग हो गया इसलिए नाले की बाढ़ में मानव खोपड़ी और उसमें जींस पेंट फंस गया

हत्या या डूबने से मौत

पुलिस अब इस बात की तह तक पहुंचना चाहती है कि यह जिस किसी भी इंसान के अंग है इसकी डूबने से मौत हुई है या किसी ने हत्या कर नाले में शव फेंक दिया है यह पुलिस के सामने बड़ा सवाल है।

कमलेश प्रताप शाह ने नगर में रैली निकालकर माना जनता का आभार

तीसरी बार पुनः विधायक निर्वाचित हुए राजा कमलेश प्रताप शाह.

हर्रई। मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव की वोटिंग हुई थी जिसके बाद 3 दिसंबर को विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित हुए हैं छिंदवाड़ा जिले में सात विधानसभा सीट है ओर छिंदवाड़ा जिला पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का गढ़ का माना जाता है।जिले में फिर एक बार कांग्रेस पार्टी ने इतिहास रच दिया है जिले की सातों विधानसभा सीट पर कांग्रेस के विधायक विजयी हुई है और भाजपा का जिले में फिर से सुफड़ा साफ हो गया है।जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी राजा कमलेश प्रताप शाह ने अपनी प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी मोनिका बट्टी को 25 हजार 86 वोटो से पराजित किया है।अमरवाड़ा विधानसभा से कांग्रेस विधायक राजा कमलेश प्रताप शाह के नेतृत्व में सोमवार को आभार रैली निकाली गई।रैली विधायक निवास राज महल से होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पूरे हर्रई नगर के वार्डो में पहुची।इस मौके पर शाह ने मतदाताओं ओर जनता का आभार व्यक्त किया।जीत की उपलब्धि का आभार व्यक्त करते हुए विधायक ने जनता के बीच जाकर कहा कि ये जीत मेरी नही जनता की जीत है क्षेत्र की जनता विगत 10 बर्षो से मुझे आशीर्वाद देते आ रही हैं इस चुनाव में भी विधानसभा की जनता ने मुझे आशीर्वाद देकर अपना अपनत्व दिखाया है क्षेत्र में हमने विकास के कार्य किये हैं।जनता से मेरा वादा है कि अब नए उत्साह के साथ विधानसभा क्षेत्र में विकास और प्रगति के कार्य करूँगा।आभार रैली में हजारों की संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईव्हीएम व व्हीव्हीपीएटी मशीनों को स्ट्रांग रूम में रखा गया

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 3 दिसंबर को मतगणना के बाद निर्वाचन में उपयोग की गई विधानसभावार ईव्हीएम व व्हीव्हीपीएटी मशीनों की सीलिंग के बाद इन मशीनों को मतगणना स्थल शासकीय स्वशासी पी.जी.कॉलेज छिंदवाड़ा से नागपुर रोड ईएलसी चौक छिंदवाड़ा के पास स्थित जिला स्तरीय ईव्हीएम वेयर हाउस में सुरक्षित संधारित कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प और पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार जिला स्तरीय ईव्हीएम वेयर हाउस के स्ट्रांग रूम में अपनी निगरानी में विधानसभावार ईव्हीएम व व्हीव्हीपीएटी मशीनों को रखवाकर स्ट्रांग रूम को सीलबंद कराया गया । इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के.सी.बोपचे और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे ।

हारे प्रत्याशियों ने भाजपा की सरकार बनने की खुशी मनाई

छिंदवाड़ा। विधानसभा चुनाव में भाजपा के सातों प्रत्याशी हार गये, किन्तु प्रदेश में भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बन गई। भाजपा के सभी हारे प्रत्याशियों ने भाजपा कार्यालय में प्रदेश में सरकार बनने की खुशी मनाई। सौंसर के नाना मोहोड़ ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता कभी हारता नहीं या तो वह जीतता है या सीखता, यह चुनाव सीखने का समय है। विजय झांझरी ने भी संबोधित किया।

भैरव जयंती पर आज हवन, पूजन एवं विशाल भण्डारा

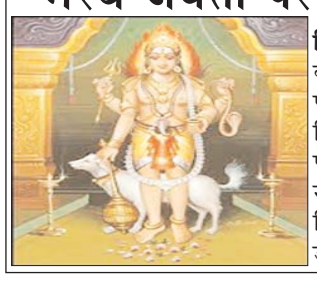

छिंदवाड़ा। पशु चिकित्सालय परिसर, छिंदवाड़ा में स्थित सिद्धेश्वर कॉल भैरव समिति द्वारा काल भैरव जयंती के अवसर पर 5 दिसंबर 2023 दिन मंगलवार को दोपहर 1 बजे से हवन, पूजन एवं दोपहर 3 बजे आरती, प्रसाद पश्चात शाम 5 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। समिति संयोजक भुवन मालवीय ने श्रद्धालुजनों से अपील की है कि इस अवसर पर भंडारा प्रसादी के लिये सहयोग राशि एवं सामग्री देने हेतु इच्छुक व्यक्ति मंदिर प्रांगण में संपर्क करें । समिति के अध्यक्ष डॉ.एम. के. मौर्य एवं संयोजक भुवन मालवीय, गोविन्द प्रसाद शिव, डॉ. प्राची चड्ढा ने समस्त नगरवासियों से इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रसाद एवं भंडारा ग्रहण करने की है ।

छिंदवाड़ा। कोतवाली पुलिस ने की बिना हेलमेट बाईक सवार पर करवाई की ।

जीत की खुशी मनाई
निकाला विजय जुलूस

बिछुआ। छिंदवाड़ा जिले की चौरई विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी सुजीत सिंह चौधरी को लगातार दूसरी बार विजय श्री मिलने से कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दिखाई दे रहीं हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद बिछुआ के पावर हाउस चौंक से शिव मंदिर बड़ चौक होते हुए बस स्टैंड पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और नव निर्वाचित विधायक सुजीत सिंह चौधरी पर पुष्प वर्षा कर स्वागत सत्कार किया। तो वही कार्यकर्ताओं ने विधायक को केले से तौल कर वितरित भी किए। तत्पश्चात पुराना बस स्टैंड से माता मां चौक के माता मां मंदिर और गणेश मंदिर में विधायक ने पूजा अर्चना कर माथाटेक कर आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात नगर के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर मतदाताओं का आभार जताया गया। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह पटेल, इन्द्रपाल सिंह पटेल, हरि पंद्रे, पंडित अवध बिहारी दुबे, पृथ्वीराज सिंह ठाकुर, देवाराम पहाड़े, इरफान पटेल, अतरलाल कुमरे, रिंकू पटेल, ममता साहू, गजानंद साहू, शौकत अली, राजकुमार मरावी, इरसाद खान समेत सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। जुलुस में जगह-जगह कार्यकर्ता और नगरवासियों के द्वारा नव निर्वाचित विधायक श्री चौधरी का स्वागत पुष्प माला से किया गया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी 7 दिसम्बर को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से वीसी पर करेंगे चर्चा

छिन्दवाड़ा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन गुरूवार, 7 दिसम्बर को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी 52 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से चर्चा करेंगे। राजन विधानसभा निर्वाचन 2023 के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर इन अधिकारियों द्वारा अपने-अपने जिलों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये किये गये नवाचारों, बेस्ट प्रेक्टिसेस, स्वीप गतिविधियों पर चर्चा के अलावा इन अधिकारियों से उनके अनुभव भी सुनेंगे, जिससे नवाचारों एवं अच्छे अनुभवों का लोकसभा निर्वाचन 2024 के संपादन के लिये बेहतर उपयोग किया जा सके।

शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न होने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी का आभार ज्ञापित किया

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये 3 दिसम्बर को मतगणना की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न होने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, पीठासीन अधिकारी, एवं अन्य सभी अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस, होमगार्ड, केन्द्रीय सुरक्षा बलों, निर्वाचन अभिकर्ताओं, राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक मीडिया साथियों और शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न कराने में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी का हृदय से आभार ज्ञापित किया है। श्री राजन ने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों और सक्रिय सहयोग से ही निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया निर्बाध एवं शांतिपूर्ण रूप से पूर्ण हो सकी।

हर दौर, हर पीढ़ी के नेता है जननायक कमलनाथ

विपक्ष के लिये सवाल तो प्रदेश के लिये मिसाल बने

छिन्दवाड़ा। किसी भी नेतृत्ववान और सकारात्मक सोच रखने वाले व्यक्ति के लिये अक्सर यह बात कही जाती है कि वो शख्स जो हर मुकाम पर, तन्हा नजर आये, उस शख्स में जरूर कोई खास बात है और ऐसी ही अनेकों खासियतों से भरे शख्स है कमलनाथ ने अपने घर, अपने जिले और अपने छिन्दवाड़ा पर जारी रहे चौतरफा हमलों को अकेले झेलते हुये सम्पूर्ण प्रदेश और देश के समक्ष एक बार फिर से उदाहरण प्रस्तुत कर दिया है कि जो जननायक होगा, जो सर्वप्रिय होगा और जो खासोआम से दिल से जुड़ा होगा केवल वो ही शख्स कमलनाथ होगा।आज विपक्ष के लिये एक अनुउत्तरित सवाल और प्रदेश की राजनीति के लिये मिसाल बने कमलनाथ ने अपने व्यक्तिगत व्यवहार, नवनिर्माण की सोच के साथ समर्पण भाव से जनसेवा कर अपने कुशल नेतृत्व में लगातार दूसरी बार जिले की सातों सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों को पुर्नस्थापित कर जिले की गौरव गरिमा को बनाये रखा है इसी जनविश्वास के बूते पर वे अक्सर व्यक्तिगत तौर पर व सार्वजनिक मंचों से अक्सर यही कहते हैं कि मैं वह सौभाग्यशाली नेता हूं जो अपने छिन्दवाड़ा का प्रतिनिधित्व करता हूं, देश की लोकसभा और विधानसभाओं में अन्य नेता वोट लेकर जाते हैं परन्तु मैं अकेला जनता का प्यार, विश्वास, बल और शक्ति लेकर जाता हूं यह पूंजी किसी और के पास नहीं है।

वर्तमान विधानसभा चुनावों में प्राप्त परिणामों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वानाथ ओक्टे ने कमलनाथ की नेतृत्व क्षमता और जिले की जनता पर उनके विश्वास का प्रमाण प्रस्तुत करते हुये कहा कि विगत 43 वर्षों में वे हर दौर और हर पीढ़ी के नेता रहे हैं सम्पन्न चुनावों में भी भाजपा ने स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के नेताओं का छिन्दवाड़ा में जमावड़ा कर कमलनाथ को घेरने की पूरी रणनीति बनाई लेकिन सारी कोशिशें नाकाम हुई। विपक्ष के लगातार, दिन रात और संगठन से लेकर व्यक्तिगत हमलों को जिले की जागरूक और निष्ठावान जनता ने एक अभेद कवच बनकर अपने जननायक को सुरक्षित रखा यह भी एक मिसाल है। श्री ओक्टे ने आगे कहा कि 9 बार के सांसद व दो बार के विधायक बने कमलनाथ राजनीति के एक युग के समान है जिन्होंने केन्द्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री के रूप् में छिन्दवाड़ा जिले के कस्बों को नगर और छिन्दवाड़ा नगर को महानगर बना दिया। वे आज भी जिले के प्रत्येक परिवार चाहे वह किसी भी राजनैतिक मानष्किता का हो, के मुखिया और शुभचिन्तक है और इस सत्य के प्रति सभी की सहमति भी है। प्राप्त विधानसभा परिणामों को बहुत ही सहजता से स्वीकारते हुये कमलनाथ ने यही कहा है कि हमें जनादेश स्वीकार है, हमें विपक्ष की जिम्मेदारी दी गई है और हम अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। ओक्टे ने सम्पन्न चुनावों में सातों सीटों पर हुई कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत के लिये संगठन के समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता व आमजन के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा है कि कांग्रेस व श्री कमलनाथ-नकुलनाथ अपने जिले की जनता की सेवा के लिये सदैव समर्पित रहे हैं और सदैव समर्पित रहेंगे।

कांग्रेस ने जीत पर जश्न मनाया

बधाई देकर सभी मतदाताओं का माना आभार

जुन्नारदेव। छिंदवाड़ा जिले में कांग्रेस को जीत मिली है, जिससे क्षेत्र के कांग्रेस जन बेहद प्रसन्न चित है, मिली इस चीज पर कांग्रेस जनों ने जन-जन के नेता कमलनाथ, जिले के सांसद नकुलनाथ को बधाई दे मतदाताओं का आभार माना, एवं भविष्य में इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा कि, सनद रहे समुचे प्रदेश में पिछले दिनों मतदान कार्य संपन्न हुआ था जिसका परिणाम भी 3 दिसंबर को आ गया, जिसमे भले ही प्रदेश में एक बार फिर भाजपा सरकार बना लेगी, क्योंकि उसे सरकार बनने को ले जो बहुमत हासिल करना था, उसे बहुमत से अधिक हासिल कर ली, किंतु इसमें जिले ने पूर्व की भांति जन जन के नेता कमलनाथ एवं सांसद नकुलनाथ पर इस चुनाव में भी पूरी आस्था दिखाई एवं इस चुनाव में भी जिले की सभी सात विधानसभा में कांग्रेस विजई हुई है, इस बात पर हेमराज पवार, रवि पवार, खलील खान, डॉक्टर राय ,एल.डी. राठौर अनिरुद्ध शर्मा नरबद विश्वकर्मा, सुनील पवार, डॉ मोहित डेहेरिय, ए टाइप अंसार जी, नितेंद्र पवार, राहुल यादव, प्रिंस सेंगर, मुनमुन याकूब सिद्दीकी, मैसर अली, महेश डेहरिया, गजराज पवार, अविनाश पाठक, जमना डेहरिया, राजेश डेहरिया, आदि ने मिली इस जीत पर कमलनाथ नकुलनाथ को बधाई दी, वहीं जिले के सभी मतदाताओं का हृदय से आभार माना है।

मध्यप्रदेश का कौन बनेगा मुख्यमंत्री? शिवराज या जीते सांसदों में किसी को मिलेगी कमान, जानें ताजा विधानसभा का स्वरूप

भोपाल। चुनाव से पहले ही सीएम शिवराज सिंह चौहान का फेस पीछे कर चुकी बीजेपी अब किसी इस कुर्सी के लिए चुनेगी। जिस हिसाब से बीजेपी ने बंपर जीत हासिल की है। उस हिसाब से तो शिवराज सिंह चौहान ही इस कुर्सी के सबसे बड़े और सबसे मजबूत दावेदार बन चुके हैं, लेकिन आलाकमान की फेवरेट की लिस्ट में नहीं हैं। तो फिर, अब कुर्सी किसकी होगी। क्या उन सांसदों में से किसी एक की होगी जो इस जीत के हिस्सेदार बने हैं। या फिर कोई ऐसा चेहरा काबिज होगा, जो बीजेपी की पुरानी आदतों के मुताबिक फिर से चौंकाने वाला होगा। फैसला जो भी होगा, उसमें एक बड़ा पेंच तो फिर भी होगा। उस पेंच को समझने से पहले एक बार ताजा विधानसभा का स्वरूप समझ लीजिए।

नई विधानसभा में कई पुराने चेहरे बतौर नए चेहरे दाखिल होंगे। कई पुराने चेहरों को सदन मिस भी करेगा। फिर चाहें वो चेहरे कांग्रेस के हों या बीजेपी के हों। इन चेहरों में सबसे पहले गिनती होगी उन सांसदों की जो न सिर्फ जीते, बल्कि अपने आसपास की सीटों का समीकरण भी बदल दिया। मसलन कैलाश विजयवर्गीय जिनकी वजह से इंदौर की फंसी हुई सीटें निकल गईं और जीतू पटवारी जैसे एक्टिव विधायक की हार हो गई। यही हाल बुंदेलखंड और महाकौशल में भी रहा जहां प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह का प्रभाव दिखा। यहां न उमा भारती की अपीलें बीजेपी का नुकसान कर सकीं न उनकी नाराजगी रंग लाई। ग्वालियर चंबल में ज्योतिरादित्य सिंधिया, अपने कुछ समर्थकों की हार के बावजूद खुद को साबित करने में कामयाब रहे। बेटे के वायरल वीडियो के बावजूद नरेंद्र सिंह तोमर ने अपना दम दिखा ही दिया। फग्गन सिंह कुलस्ते को छोड़कर सभी सांसद अब विधानसभा में पहुंचने की तैयारी में हैं। नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया जैसे मंत्री हार चुके हैं और जीतू पटवारी और कुणाल चौधरी जैसे फायर ब्रांड विधायक भी अब सदन में दिखाई नहीं देंगे। लहार वाले गोविंद सिंह के तजुर्बे को भी यकीनन सदन में याद किया जाएगा।

सीनियर्स की गिनती आसानी से खत्म नहीं होती- अब जब सदन में बैठे दिग्गजों की गिनती शुरू होगी तो आसानी से खत्म नहीं होगी। नजारा कुछ यूं भी हो सकता है कि सदन में सीएम को अपना पक्ष रखने से पहले अपने ही पार्टी के दिग्गजों से दो चार होना पड़ा और विपक्ष से ज्यादा उनसे ही उलझना पड़े। क्योंकि ये सब वो लोग हैं जो न सिर्फ सीनियर हैं, बल्कि सीधे आलाकमान के दरबार में दखल रखते हैं। कहने को नए सीएम को फ्री हैंड मिल सकता है, लेकिन उसके हर कदम की खबर दिल्ली दरबार तक पहुंचना भी तय ही होगी। ये सारी परेशानियां तो चलती रहेंगी पर अभी का सबसे बड़ा सवाल ये है कि मुख्यमंत्री होगा कौन।

सीएम की रेस में सबसे आगे शिवराज सिंह है- कोई माने या न माने इस रेस में सबसे आगे और सबसे मजबूत तो शिवराज सिंह चौहान ही नजर आ रहे हैं। जीत का सबसे बड़ा हिस्सा उनकी फ्लेगशिप योजना लाड़ली बहना के नाम ही है। इसके अलावा जनआशीर्वाद यात्रा से पहले वो जनदर्शन यात्रा के जरिए भी प्रदेशभर में सक्रिय रहे। उनके सुझाए प्रत्याशियों में भी आधे से अधिक जीत दर्ज करने में कामयाब रहे। इस नाते उनका कद सबसे बड़ा है। हो सकता है कि इस जीत को देखते हुए आलाकमान उन्हें एक बार फिर मौका दे। कम से कम लोकसभा चुनाव तक सबसे आगे उन्हीं का चेहरा रह सकता है और अगर सीएम नहीं बनते तो बहुत संभव है कि वो नेता प्रतिपक्ष बनने की जगह केंद्र की राजधानी का रुख कर लें।

दूसरा नाम नरेंद्र सिंह तोमर का है- तोमर आलाकमान के बेहत करीबी है और भरोसेमंद भी। इसी भरोसे की बुनियाद पर उन्हें प्रदेश में चुनाव की कमान सौंपी गई थी। हालांकि, बेटे के वीडियो लीक होने के बाद उनकी छवि पर कुछ असर जरूर पड़ा होगा। एक वायरल वीडियो और दूसरा ओबीसी फेक्टर हावी हुआ तो नरेंद्र सिंह तोमर रेस में पिछड़ सकते हैं।

सीएम की लिस्ट के लिए विजयवर्गीय भी दमदार चेहरा है- कैलाश विजयवर्गीय का नाम भी इस लिस्ट में दमदार है। जो इंदौर को बीजेपी के नाम कराने में कामयाब हुए ही मालवा की दूसरी सीटों को भी पार्टी की झोली में डाल दिया। विजयवर्गीय वैसे ये कह चुके हैं कि मुझे पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी के लिए चुना है, लेकिन ये क्लियर नहीं है कि वो ये बड़ी जिम्मेदारी प्रदेश में ही संभालेंगे या फिर दिल्ली का रुख करेंगे। वैसे सीएम और उनके बीच के फासले भी किसी से छिपे नहीं है। जो चुनावी जीत के बाद भी नजर आए जब लाड़ली बहना को जीत का क्रेडिट देने के सवाल पर विजयवर्गीय ने उखड़ते हुए पलटकर सवाल कर डाला कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तो ये योजना नहीं है। फिर वहां कैसे जीते। उन्होंने जीत का पूरा क्रेडिट मोदी की गारंटी को दिया है।

प्रहलाद की जननायक की छवि और ओबीसी चेहरा- चौथा नाम हैं प्रहलाद पटेल जिनका प्लस प्वाइंट है जननायक की छवि और ओबीसी चेहरा। इंडिया गठबंधन के ओबीसी राग के बीच अगर बीजेपी भी ओबीसी चेहरे को ही चुनती है तो प्रहलाद पटेल पहली पसंद हो सकते हैं। मुख्यमंत्री नहीं भी बने तो किसी अहम विभाग की कमान जरूर संभाल लेंगे। राकेश सिंह को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। जो तरुण भानोट जैसे नेता को हराने में कामयाब रहे। लेकिन सीएम पद की रेस में वो काफी पीछे हैं उनसे आगे दो नाम और हैं ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीडी शर्मा।

ज्योतिरादित्य भी मोदी-शाह के करीबी हैं- ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ये साबित कर दिया है कि वो ग्वालियर चंबल में अब भी प्रभाव रखते हैं। भले ही उनके सारे समर्थक नहीं जीत सके, लेकिन सीटें तो बीजेपी के खाते में आई ही हैं। प्रदेश में उनका चेहरा भी लोकप्रिय है और वो मोदी-शाह के करीबी भी हैं। ऐसा होता है तो सिंधिया घराने की सीएम पद पर काबिज होने की कामना भी उनके साथ ही पूरी हो जाएगी। अगला नाम वीडी शर्मा का भी हो सकता है। जो कम से कम संघ के बहुत करीबी हैं और जीत के बाद अपने संगठन की कसावट की पीठ भी थपथपा ही रहे हैं। उनके सुझाए हुए प्रत्याशियों ने भी बड़ी संख्या में जीत हासिल की है। इस लिहाज से दिगज्जों की फौज के बीच वीडी शर्मा का नंबर भी लग सकता है।

बीजेपी की एक आदत सरप्राइज देने की- ये तो वो नाम हैं जो सबके सामने हैं, लेकिन बीजेपी की एक आदत और है सरप्राइज करने की। हो सकता है वो किसी ऐसे नाम को मुखिया पद पर बिठाल दे जिसके बारे में किसी ने सोचा भी न हो। पार्टी का जो भी फैसला होगा वो लोकसभा चुनाव के मद्देनजर ही होगा। जो प्रदेश से बीजेपी की ज्यादा से ज्यादा सीटें सुनिश्चित कर सके, लेकिन मध्यप्रदेश की विधानसभा का क्या होगा। इस विधानसभा में कांग्रेस के कई दिग्गज अब नजर नहीं आएंगे। जीतू पटवारी, सज्जन सिंह वर्मा, गोविंद सिंह जो असल में पार्टी के धुरंधर थे और सत्ता पक्ष की नाक में दम करना खूब जानते थे वो ये चुनाव जीत नहीं सके। इसके उलट बीजेपी के बहुत से धुरंधर सदन में होंगे। ऐसे सदन को काबू में करने के लिए विधानसभा का मुखिया और सत्ताधारी दल का मुखिया दोनों का दमदार होना जरूरी है।

बुंदेलखंड में उमा की अपील भी नुकसान न कर सकीं- नई विधानसभा में कई पुराने चेहरे बतौर नए चेहरे दाखिल होंगे। कई पुराने चेहरों को सदन मिस भी करेगा। फिर चाहें वो चेहरे कांग्रेस के हों या बीजेपी के हों। इन चेहरों में सबसे पहले गिनती होगी उन सांसदों की जो न सिर्फ जीते, बल्कि अपने आसपास की सीटों का समीकरण भी बदल दिया। मसलन कैलाश विजयवर्गीय जिनकी वजह से इंदौर की फंसी हुई सीटें निकल गईं और जीतू पटवारी जैसे एक्टिव विधायक की हार हो गई। यही हाल बुंदेलखंड और महाकौशल में भी रहा जहां प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह का प्रभाव दिखा। यहां न उमा भारती की अपीलें बीजेपी का नुकसान कर सकीं न उनकी नाराजगी रंग लाई। ग्वालियर चंबल में ज्योतिरादित्य सिंधिया, अपने कुछ समर्थकों की हार के बावजूद खुद को साबित करने में कामयाब रहे। बेटे के वायरल वीडियो के बावजूद नरेंद्र सिंह तोमर ने अपना दम दिखा ही दिया। फग्गन सिंह कुलस्ते को छोड़कर सभी सांसद अब विधानसभा में पहुंचने की तैयारी में हैं। नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया जैसे मंत्री हार चुके हैं और जीतू पटवारी और कुणाल चौधरी जैसे फायर ब्रांड विधायक भी अब सदन में दिखाई नहीं देंगे। लहार वाले गोविंद सिंह के तजुर्बे को भी यकीनन सदन में याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में गुलमोहर, केसिया और बरगद के पौधे रोपे।

मध्यप्रदेश में 27 महिलाएं बनीं विधायक, पिछली बार की तुलना में 6 का इजाफा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में इस बार 27 महिलाएं पहुंचेंगी। पिछली बार यानी 2018 में 21 महिलाएं विधायक बनीं थीं। यह कुल विधायकों (230) का 11.73 प्रतिशत है। जो पिछली बार की तुलना में 03.10 फीसदी ज्यादा है। इस बार विधानसभा चुनाव में 57 महिलाएं मैदान में उतरी थीं, इसमें से 27 महिलाएं चुनाव जीतीं हैं। इस बार के चुनाव में बीजेपी की 28 महिलाओं में से 21 से जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस की 29 महिला उम्मीदवारों में से केवल 6 को जीत हासिल हुई। दोनों प्रमुख पार्टियों में सिर्फ महिला कैंडिडेट्स की जीत के प्रतिशत की तुलना करें तो बीजेपी में 75 प्रतिशत महिलाओं ने जीत हासिल की है, वहीं कांग्रेस में 21 प्रतिशत महिलाएं ही विधायक बनीं हैं।

बीजेपी की ये महिला प्रत्याशी बनीं विधायक

1. प्रतिमा बागरी जीती (रैंगाव), 2. राधा सिंह जीती (चितरंगी), 3. संपतिया ऊइके (मंडला), 4. छाया मोरे (पंधाना), 5. मंजू राजेन्द्र दादू (नेपानगर), 6.अर्चना चिटनिस (बुरहानपुर), 7. ऊषा ठाकुर (अम्बेडकर नगर महू), 8. मनीषा सिंह (जयसिंहनगर), 9. मीना सिंह मांडवे जीती(मानपुर), 10. कृष्णा गौर जीती (गोविंदपुरा), 11. गायत्रीराजे पवांर (देवास), 12. मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ जीती (इंदौर-4), 13. रीति पाठक (सीधी), 14. सरला विजेंद्र यादव (सबलगढ़), 15. प्रियंका मीणा (चाचौड़ा), 16. ललिता यादव (छतरपुर), 17. निर्मला भूरिया जीती (पेटलावद), 18. उमादेवी लालचंद खटीक (हट्टा), 19. कंचन मुकेश तन्वे (खंडवा), 20. नीना विक्रम वर्मा (धार), 21. गंगा सज्जन सिंह उइके (घोडाडोंगरी)।

बीजेपी की ये महिला उम्मीदवार हारीं- 1. मोनिका बट्टी (अमरवाड़ा), 2. इमरती देवी (डबरा), 3. ज्योति डहेरिया (परासिया), 4. गंगा बाई उईके (घोंडाडोंगरी), 5.नंदा ब्राह्मणे (भीकनगांव), 6.संगीता चारले (सैलाना), 7.माया सिंह (ग्वालियर पूर्व),

कांग्रेस की 6 महिला प्रत्याशी बनीं विधायक- 1. निर्मला सप्रे (बीना), 2. चंदा सिंह गौर (खरगापुर), 3. झूमा सोलंकी (भीकनगांव), 4. अनुभा मंजारे जीती (बालाघाट), 5. साध्वी रामसिया भारती (मलहारा), 6. सेना पटेल (जोबट)

कांग्रेस की हारने वाली महिला उम्मीदवार- 1. रक्षा राजपूत (खुरई), 2. इंजीनियर ज्योति पटेल (रहली), 3. निधि जैन (सागर), 4. सावित्री सिंह (बांधवगढ़), 5. सुनिता पटेल (गड़रवारा), 6. रानी अहिरवार (कुरवाई), 7.कला महेश मालवीय (सारंगपुर), 8. गेंदू बाई चौहान (नेपानगर), 9. प्रभा गौतम (धार), 10. कमलेश सिंह (धौहानी), 11. किरण अहिरवार (जतारा), 12. कल्पना वर्मा (रैगांव), 13. डॉ. रश्मि सिंह पटेल (नागौद), 14. बबिता साकेत (मनगवां), 15. रेनू शाह (सिंगरौली), 16. उमा धुर्वे (जैतपुर), 17. एकता ठाकुर (सिहोरा), 18. हीना कंवारे (लांजी), 19. जय श्री हरिकरण (बैरसिया), 20. रूपाली बारे (पांधाना), 21. विजयलक्ष्मी साधो (महेश्वर), 22. रीना बौरासी सेठिया (सांवेर), 23. माया राजेश त्रिवेदी (उज्जैन उत्तर)।

2018 विधानसभा में कितनी महिला विधायक थी ?

विधानसभा चुनाव 2018 में महिला विधायकों की कुल संख्या 21 थी। इस बार (2023) के चुनाव में महिलाओं की संख्या 27 है। पिछली बार के मुकाबले इस बार महिलाओं को 4 सीट अतिरिक्त मिली हैं। 2018 में बीजेपी की 14 महिला विधायक थीं, इस बार 21 महिला विधायक हैं। वहीं कांग्रेस की पिछली बार 6 महिला विधायक थी, इस बार भी 6 विधायक हैं। एक विधायक बसपा से थीं।

मध्यप्रदेश में 76.03 प्रतिशत महिलाओं ने किया मतदान

प्रदेश में हुए 2023 विधानसभा चुनाव में 77.15 प्रतिशत वोट पड़े, जिसमें से महिलाओं का मतदान प्रतिशत 76.03 रहा। वहीं पुरुषों का मतदान प्रतिशत 78.21 रहा। प्रदेश में लगभग 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 मतदाता थे। इनमें से लगभग 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 पुरुष और 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 महिला वोटर्स थीं। इस बार प्रदेश की 34 सीटें महिला मतदाता बहुल थीं।

चुनाव में 5 सीटों पर हुआ महिलाओं का आमना-सामना

विधानसभा चुनाव 2023 में पांच सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस की महिला उम्मीदवारों का सीधा मुकाबना हुआ। जिसमें से सिर्फ भीकनगांव में कांग्रेस की झूमा सोलंकी ने बीजेपी की नंदा ब्राहणे को हराया। बाकी चार सीटों पर बीजेपी की प्रत्याशी विजय बनीं।

1- नेपानगर में बीजेपी की मंजू दादू ने कांग्रेस की गेंदा बाई को हराया।
2- भीकनगांव में कांग्रेस की झूमा सोलंकी ने बीजेपी की नंदा ब्राहणे को हराया।
3- धार में बीजेपी की नीना वर्मा ने कांग्रेस की प्रभा गौतम को हराया।
4- पंधाना में बीजेपी की छाया मोड़ ने कांग्रेस की रुपाली नंदू को हराया।
5- रैगाँव में बीजेपी की प्रतिमा बागरी ने कांग्रेस की कल्पना वर्मा को हराया।

विजयवर्गीय, मेंदोला और हार्डिया ने किया कमाल

इंदौर। भाजपा ने इंदौर जिले की सभी 9 विधानसभा सीटें जीतकर चमत्कार किया। इंदौर-2 से रमेश मेंदोला ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने के साथ एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत का रिकॉर्ड बनाया। एक ही सीट पर लगातार 5 बार जीत दर्ज कर महेंद्र हार्डिया ने इंदौर की राजनीति में नया इतिहास रचा है। इससे पहले कोई भी इंदौर की राजनीति में लगातार एक ही विधानसभा से पांच बार चुनाव नहीं जीता। इससे पहले 1993 में भी पार्टी ने सभी सीटें जीती थीं।

कंटजोड़ मुकाबले में इंदौर-1 सीट से भाजपा के कैलाश विजयवर्गीय 57719 हजार वोटों से जीते। उन्हें 156960 वोट मिले हैं। उनके सामने कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला थे, उन्हें 99 हजार 241 वोट मिले हैं। कैलाश विजयवर्गीय जिले की चौथी सीट से चुनाव जीते हैं। इससे पहले वे इंदौर-4, इंदौर-2 और महू से विधानसभा चुनाव जीते थे। पार्टी की जीत पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह मोदी मैजिक है।

इंदौर-2 से रमेश मेंदोला ने 2018 में अपनी ही जीत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पिछले चुनाव में मेंदोला 71011 वोटों से जीता था। इसके साथ मेंदोला ने जीत के पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वे 1 लाख 6 हजार 563 वोटों से चुनाव जीते हैं। इंदौर-3 से भाजपा के गोलू शुक्ला 14667 वोटों से जीते। उन्हें 73291 वोट मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के दीपक जोशी पिंटू को 58624 वोट मिले। 1908 वोट नोटा में गए। इंदौर-4 में मालिनी गौड़ 69837 वोटों से चुनाव जीती। उन्हें 118870 वोट मिले हैं। जबकि, उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के राजा मंधवानी को 49033 वोट मिले।

इंदौर-5 में लगातार उलटफेर के बाद महेंद्र हार्डिया 15404 वोटों से चुनाव जीत गए। ये उनकी लगातार एक ही सीट से 5वीं जीत है, जो अपने आप में रिकॉर्ड है। यहां पहले राउंड से आगे चल रहे भाजपा के महेंद्र हार्डिया 8वें राउंड में कांग्रेस के सत्यनारायण पटेल से 2871 वोटों से पिछड़ गए थे। यहां हार्डिया को 143449 वोट मिले। जबकि, पटेल को 128045 वोट मिले हैं। जीत पर महेंद्र हार्डिया ने कहा हमने विधानसभा में जो विकास कार्य किया है यह उसका परिणाम है। राऊ से भाजपा के मधु वर्मा 35489 वोटों से जीत गए। उन्हें 150107 वोट मिले। निकटतम प्रतिद्वंद्वी और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी को 1 लाख 14 हजार 618 वोट ही मिले।

ग्रामीण सीटों पर बड़ा उलटफेर- ग्रामीण क्षेत्र की सांवेर सीट से तुलसी सिलावट 62 हजार से ज्यादा वोटों से जीत गए। उन्होंने कांग्रेस की रीना बौरासी को हराया। बौरासी को 76422 वोट मिले। महू से मंत्री उषा ठाकुर 34075 वोटों से जीत गईं। उन्हें 102130 वोट मिले। कांग्रेस के बागी और निर्दलीय उम्मीदवार अंतर सिंह दरबार 68055 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे। कांग्रेस के रामकिशोर शुक्ला को 28660 वोट ही मिले और वे तीसरे नंबर पर रहे। देपालपुर से भाजपा के मनोज पटेल 13892 वोटों से जीत गए। उन्हें 94989 वोट मिले हैं, उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के विधायक विशाल पटेल को 81097 वोट मिले। यहां निर्दलीय राजेंद्र चौधरी को भी 37741 वोट मिले। बगावत के बावजूद भाजपा ने सीट कांग्रेस से छीनी है।

तूफान मिचौंग के असर से छाए बादल, लुढ़केगा दिन का तापमान

भोपाल। भीषण तूफान मिचौंग आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट पर टकरा गया है। तूफान के असर से पूरे मध्य प्रदेश में बादल बने हुए हैं। साथ ही प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र के शहडोल, जबलपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा भी हो सकती है।

उधर पिछले 24 घंटों के दौरान शिवपुरी में 27, दतिया में 8.4, मलाजखंड में 3.8, ग्वालियर में 0.5 मिलीमीटर वर्षा हुई। मलाजखंड एवं गुना में बूंदाबांदी हुई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक मिचौंग का विशेष असर प्रदेश पर नहीं हुआ है, लेकिन हवाओं के साथ लगातार नमी आने के कारण निचले स्तर के बादल बने हुए हैं। इस वजह से दिन में ठंडक महसूस हो रही है। हालांकि बादलों के कारण पूरे प्रदेश में रात का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिमी राजस्थान पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इसके असर से दक्षिणी राजस्थान पर एक प्रेरित चक्रवात बना हुआ है। अरब सागर में भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि तूफान का तो विशेष असर प्रदेश में नहीं हुआ है, लेकिन लगातार पूर्वी हवा चल रही है। हवाओं के साथ नमी आने के कारण बादल बने हुए हैं। जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में मंगलवार- बुधवार को हल्की वर्षा हो सकती है। राजधानी सहित शेष क्षेत्रों में बादल बने रहेंगे। इससे दिन का तापमान सभी जिलों में सामान्य से कम बना रहेगा। बादलों के छंटते ही दो दिन बाद रात के तापमान में गिरावट का सिलसिला भी शुरू होने के आसार हैं।

रोबोट-रैडिसन का ट्रैफिक होगा डाइवर्ट, यातायात प्रबंधन पुलिस ने जारी की सूचना

प्रदेश के इंदौर शहर में पिछले डेढ़ साल में मेट्रो के कार्य की तैयार की जा रही है। जानकारी के मुताबिक आपको बता दें मेट्रो का कार्य अभी लगातार चल रहा है। इंदौर में रोबोट चौराहे पर आने जाने वाले वाहनों के लिए मार्ग को डायवर्ट किया है। जानकारी के मुताबिक बता दे जो भी रोबोट चौराहे से आने जाने के लिए इस रूट का इस्तेमाल करता है, यातायात पुलिस विभाग ने उन लोगों के लिए दूसरे रास्ते के जाने के लिए प्लान बनाया है, इस प्लान के अनुसार ही जब तक मेट्रो का कार्य चलेगा तब तक इसी रूट से आना जाना करना पड़ेगा।

दरसअल, मेट्रो प्रोजेक्ट फेस-1 के द्वारा रोबोर्ट चौराहे पर पी 181 के पास जीएसएस और लॉचिंग ग्राईंडर को पीलर के टॉप पर चढाना हैं जिसके चलते रोबोर्ट चौराहे की तरफ से रेडिसन चौराहे की तरफ जाने वाले वाहन और खजराना चौराहा से रोबोर्ट चौराहे की ओर जाने वाला यातायात को सर्विस रोड पर डायवर्सन किया जाना हैं।